मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 8 अंक 10
बुधवार, 16 जुलाई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

मुंबई में मूसलाधार बारिश, निचले इलाके जलमग्न

◆ट्रैवल एडवाइजरी जारी
◆घर से निकलने से पहले चेक कर लें फ्लाइट स्टेट्स

मुंबई, 15 जुलाई। मुंबई के पश्चिमी उपनगरों जैसे बांद्रा, अंधेरी, गोरेगांव और पूर्वी उपनगरों जैसे मुलुंड, विक्रोली में पिछले आधे घंटे से भारी बारिश जारी है। शहर में जलभराव के कारण अंधेरी सबवे को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। अंधेरी, विलेपार्ले, सांताक्रूज, खार और बांद्रा जैसे क्षेत्रों में पानी भर गया है, जबकि बीकेसी, कुर्ला, चेंबूर, घाटकोपर और भांडुप में भी भारी बारिश का सिलसिला जारी है। यहां भी निचले इलाकों में जलभराव होने से आम जनजीवन प्रभावित हुआ है।इन घटनाक्रमों के बीच, मुंबई पुलिस ने निवासियों को तटीय और निचले इलाकों में जाने से बचने की सलाह दी है, क्योंकि भारत मौसम विज्ञान विभाग (क्टऊ) ने मंगलवार को शहर के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट करते हुए कहा कि 2 फीट पानी जमा होने के कारण, अंधेरी पश्चिम, मुंबई में अंधेरी सबवे को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है और गोखले ब्रिज के रास्ते डायवर्ट किया गया है।

ठाणे और पुणे के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, जबकि रायगढ़ के लिए रेड अलर्ट और पालघर के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। अपने नियमित बुलेटिन में, आईएमडी ने कहा कि अगले चार दिनों में मुंबई और आसपास के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। आईएमडी ने आगे कहा कि अगले 3-4 घंटों में मुंबई और ठाणे के कुछ हिस्सों में मध्यम बारिश होने की संभावना है और कुछ इलाकों में गरज, बिजली और तेज हवाएँ भी चल सकती हैं। शहर में भारी बारिश के कारण उड़ान संचालन प्रभावित होने के कारण, विभिन्न एयरलाइंस ने एडवाइजरी जारी की है, जिसमें यात्रियों से हवाई अड्डे तक पहुँचने के दौरान संभावित यातायात समस्याओं के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया गया है। इंडिगो ने ट्वीट करते हुए कहा कि इस समय मुंबई में भारी बारिश हो रही है, जिससे उड़ानों के शेड्यूल में कुछ अस्थायी व्यवधान आ रहा है। अगर आप आज यात्रा कर रहे हैं, तो कृपया संभावित देरी के प्रति सचेत रहें और अपनी यात्रा के लिए अतिरिक्त समय दें, खासकर जब यातायात सामान्य से धीमा हो।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त

मणिपुर, 15 जुलाई। मणिपुर पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) ने मंगलवार को पहाड़ी राज्य में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद बरामद किए, जो पिछले कुछ वर्षों में घातक जातीय संघर्ष का गवाह रहा है। समाचार एजेंसी एएनआई ने मणिपुर डीजीपी कार्यालय के हवाले से बताया कि संयुक्त अभियान में, बलों ने इम्फाल पूर्व, इम्फाल पश्चिम, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर जिले के इलाकों में ग्रेनेड, आईईडी, एके सीरीज और इंसास राइफलें, पिस्तौल, दंगा-रोधी बंदूकें और एसबीबीएल जब्त किए।

3 जुलाई की रात और 4 जुलाई की सुबह, इसी तरह के एक अभियान में, मणिपुर पुलिस ने राज्य के पहाड़ी जिलों में व्यापक तलाशी अभियान के दौरान 200 से ज्यादा हथियार बरामद किए। ये छापे अवैध हथियारों पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में शांति बहाल करने के चल रहे प्रयासों का हिस्सा हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था स्थिर रहने के बीच, पुलिस ने तलाशी अभियानों में हथियारों और गोला-बारूद का एक बड़ा जखीरा बरामद किया।

ये अभियान मणिपुर पुलिस, असम राइफल्स, सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों द्वारा शुरू की गई व्यापक कार्रवाई का हिस्सा हैं। पिछले हफ़्ते, मणिपुर पुलिस ने नौ लोगों को गिरफ़्तार किया, जिनमें मैतेई संगठन अरम्बाई तेंगोल के छह सदस्य और एक प्रतिबंधित संगठन के तीन उग्रवादी शामिल थे। सभी गिरफ़्तारियाँ बिष्णुपुर ज़िले में की गईं। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि अरम्बाई तेंगोल के छह सदस्य 9 जून को बिष्णुपुर ज़िले में बंद के दौरान राज्य पुलिसकर्मियों पर शारीरिक हमला करने में शामिल थे। वहीं, मणिपुर में तीन प्रतिबंधित संगठनों के पांच उग्रवादियों सहित सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

राहुल गांधी पर धर्मेंद्र प्रधान ने साधा निशाना

नई दिल्ली, 15 जुलाई। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को ओडिशा के बालासोर में 20 वर्षीय छात्र की मौत पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की। प्रधान ने गांधी पर एक संवेदनशील मुद्दे पर सस्ती राजनीति करने का आरोप लगाया और उनसे माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस इसका इस्तेमाल राजनीतिक फायदे के लिए कर रही है। उन्होंने गांधी पर तुच्छ मानसिकता का आरोप लगाया।

धर्मेंद्र प्रधान ने एक्स पर लिखा कि राहुल गांधी और कांग्रेस का ओडिशा की बेटी के साथ हुए दुखद घटना पर ओछी राजनीति बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। एक गंभीर और संवेदनशील मामले को राजनीतिक हथियार बनाना राहुल गांधी की सस्ती मानसिकता को दर्शाता है। ओडिशा की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है, लेकिन कांग्रेस ने इसे भी अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने का मौका बना लिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी और भाजपा ने हमेशा महिलाओं की सुरक्षा और न्याय के लिए ठोस कदम उठाए हैं, जबकि कांग्रेस ने हमेशा हर दुर्घटना में अवसर तलाशने का काम किया है।

भाजपा नेता ने दावा किया कि इस घटना पर ओडिशा सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवार के साथ खड़ी है और दोषियों पर कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाएगी, किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। मगर, यह समय सस्ती राजनीति का नहीं, बल्कि पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने का है। राहुल गांधी को अपने इस गैर-ज़िम्मेदाराना बयान के लिए पीड़ित परिवार से तुरंत माफी मांगनी चाहिए।

इससे पहले कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ओडिशा के बालासोर में आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सिस्टम ने इस लड़की की हत्या की है।

झारखंड के 19 जिलों में भारी बारिश, मौसम विभाग ने अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की

रांची, 15 जुलाई। पिछले कई सालों बाद मैदानी इलाकों में बारिश खुलकर हो रही है। जहां कुछ जगहों पर बारिश वरदान बन रही हैं वहीं दूसरी कई जगहों पर बारिश लोगों के जनजीवन को प्रभावित कर रही है। पहाड़ों पर बारिश के कारम काफी ज्यादा समस्या उत्पन्न हुई। बादल फटे, भूस्खलन हुए। वहीं कई जगहों पर बाढ़ भी आयी है। भारी बारिश के कारण नदियां उफान पर हैं। बाढ़ की ताजा चेतानवी झारखंड में जारी हुई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने झारखंड के कई हिस्सों में भारी बारिश के अनुमान के बीच राज्य के 19 जिलों के लिए अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की है। आईएमडी के सुबह के बुलेटिन में गुमला, सिमडेगा, लोहरदगा, लातेहार, खूंटी, पश्चिमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गढ़वा, पलामू, कोडरमा, गिरिडीह, जामताड़ा, देवगढ़, दुमका और रांची जिलों के लिए बुधवार शाम साढ़े पांच बजे तक अचानक बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है।

बुलेटिन में कहा गया है कि मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे से बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक गढ़वा, पलामू, चतरा, लातेहार, कोडरमा और हजारीबाग में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 16 जुलाई सुबह साढ़े आठ बजे से 17 जुलाई सुबह साढ़े आठ बजे तक पलामू, चतरा, हजारीबाग, कोडरमा और गिरिडीह के लिए भी इसी तरह की चेतावनी जारी की है।

मौसम विभाग ने बुधवार सुबह साढ़े आठ बजे तक रांची सहित झारखंड के 10 जिलों के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। रांची मौसम विज्ञान केंद्र के उप निदेशक अभिषेक आनंद ने कहा कि राज्य में 17 जुलाई तक दबाव क्षेत्र बनने और मानसून के प्रभाव से व्यापक वर्षा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कुछ जिलों में 17 जुलाई की सुबह साढ़े आठ बजे तक भारी से अत्यधिक भारी वर्षा हो सकती है।

आनंद ने कहा, पश्चिम बंगाल के मध्य भाग में बना दबाव का क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है और मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे तक यह झारखंड के ऊपर केंद्रित था। अगले 24 घंटों के दौरान इसके झारखंड और उससे सटे दक्षिण बिहार से होते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश की ओर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। सोमवार रात से झारखंड के अधिकतर हिस्सों में हल्की से मध्यम वर्षा हुई।

भारी वर्षा के पूर्वानुमान को देखते हुए पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम प्रशासन ने मंगलवार को स्कूलों को बंद करने की घोषणा की। पश्चिमी सिंहभूम प्रशासन ने लोगों से नदियों के पास जाने से बचने को भी कहा क्योंकि वे उफान पर हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में एक जून से 14 जुलाई के बीच 62 प्रतिशत अतिरिक्त वर्षा दर्ज की गई है। इस अवधि के दौरान राज्य के पूर्वी क्षेत्र में 527.6 मिलीमीटर वर्षा हुई, जबकि सामान्यतः 326 मिलीमीटर वर्षा होती है।

जनता की समस्याओं के निस्तारण के लिए कटिबद्ध है सरकारः मुख्यमंत्री शर्मा

जयपुर, 15 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ सेवा को अपना मूल मंत्र मानते हुए आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने राज्य भर में जनसुनवाई का ऐसा तंत्र विकसित किया है जो शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के साथ ही जरूरतमंद को त्वरित सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराने में कारगर साबित हो रहा है।

शर्मा मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। उन्होंने आमजन की शिकायतों को सुना तथा अधिकारियों को उनके संतोषपूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। आधिकारिक बयान के अनुसार, इस अवसर उन्होंने कहा कि अधिकारी सुराज के संकल्पों को साकार करने की दिशा में आमजन को बुनियादी सुविधाएं नियमित और निर्बाध रूप से उपलब्ध कराएं।

उन्होंने कहा कि जनकल्याण ही राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, मनरेगा तथा ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी जनता की शिकायतों को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।

इससे पहले शर्मा ने सावण माह के पहले सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राजराजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का सहस्त्र अभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह नाकामः केजरीवाल

नई दिल्ली, 15 जुलाई। आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चार इंजन वाली सरकार लोगों के लिए पूरी तरह से विफल रही है। उन्होंने लगातार दो दिनों तक शैक्षणिक संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियों के बाद दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई। द्वारका के एक स्कूल और प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज को मंगलवार सुबह बम की धमकियाँ मिलीं, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और गहन तलाशी अभियान चलाया। सोमवार को भी तीन स्कूलों को इसी तरह की धमकियाँ भेजी गईं, लेकिन ये सभी झूठी निकलीं।

अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर लिखा कि दिल्ली में ये क्या हो रहा है? कल दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और आज एक और स्कूल और कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं, अभिभावक बेहद चिंतित हैं।इखढ की चार-चार इंजन वाली सरकारें पूरी तरह से फेल हो चुकी हैं। आप की एक अन्य नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में पूछा कि क्या भाजपा सरकार के लिए छात्रों की सुरक्षा कोई मायने नहीं रखती।

आर के मीडिया
हिन्दी दैनिक न्यूज पेपर, साप्ताहिक न्यूज पेपर, हिन्दी मासिक पत्रिका का पेज बनबाने के लिए
सम्पर्क करेः 9199355950

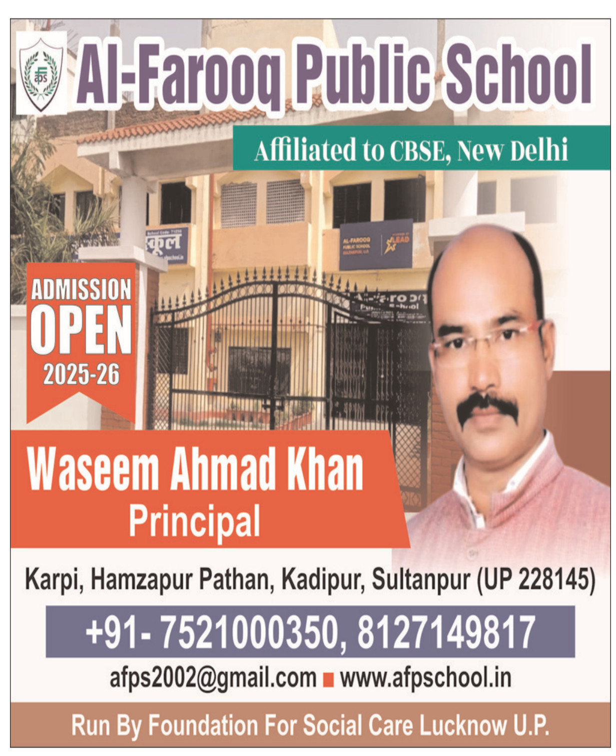

स्वास्थ्य बनाम स्वादः समोसा और जलेबी से सावधान!

-ललित गर्ग

-भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली-भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई हैं। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिन्ताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया अभियान के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केन्द्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदार्थों के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदार्थों के उपभोग से दूर रहा जाए।

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिन्ताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला-भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नम्बर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचोरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार-बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐक्रिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप-चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप-2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और

कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समय-समय पर देशवासियों को न केवल सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए प्रेरित किया है, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का भी आह्वान किया है। हाल ही में उन्होंने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए देशवासियों से खाद्य पदार्थों में तेल की मात्रा कम करने और मोटापे जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से बचने की अपील की है। मोदी ने इस बढ़ती स्वास्थ्य समस्या पर चिंतन करते हुए कहा हमें अपने खान-पान में बदलाव करना होगा। कम तेल, कम नमक और कम चीनी-यही स्वास्थ्य की कुंजी है। मोदी का आह्वान -तेल कम करें, जीवन स्वस्थ बनाएं है। क्योंकि अति तेल में तंदुरुस्ती नहीं, बीमारी का प्रवेश द्वार है। ध्यान रहे, देश में मोटापा बढ़ रहा है और इसके खिलाफ जागरूकता भी बढ़ रही है। यह भी कहा गया है कि लोग अपने भोजन में तेल को कम करके विकसित भारत बनाने में सहायक हो सकते हैं। इसी कड़ी में समोसे, जलेबी और स्वास्थ्य के लिए घातक व्यंजनों को अगर आधिकारिक रूप से निशाने पर लिया गया है, तो अचरज की बात नहीं, बल्कि वक्त की बड़ी जरूरत है।

भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल। परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गयी है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले-भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर ह्यतेल और चीनी के चेतावनी बोर्डह्न लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदार्थों में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदार्थों को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरूआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से ह्यजीरो ऑयलह्न की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। घर में जंक फूड बंद करें, बच्चों को ताजे फल, सूखे मेवे, अंकुरित अनाज दें। रोगों से नहीं, आदतों से लड़ें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है। कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदार्थों पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। मोदीजी के नेतृत्व में शुरू हुआ ह्यफिट इंडिया मूवमेंटह्न सिर्फ एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का संदेश है। यह देश को बीमारियों के बोझ से मुक्त करने की दिशा में उठाया गया क्रांतिकारी कदम है। इस आंदोलन में लोगों को जागरूक किया जा रहा है कि स्वस्थ व्यक्ति ही समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करता है। फिट इंडिया अभियान में ज्यादा ईमानदारी की जरूरत है और साथ ही, शुद्ध भोजन के लिए जिम्मेदार सरकारी महकमों को ईमानदारी से ज्यादा सचेत एवं सावधान होना पड़ेगा। आज अनेक प्रकार के विदेशी व्यंजन भी बाजारों में उपलब्ध हैं, इनमें से ज्यादातर व्यंजनों में मैदा, तेल, कृत्रिम रंग और रसायन का खतरनाक उपयोग हो रहा है। ऐसा कतई नहीं लगना चाहिए कि केवल भारतीय व्यंजनों को निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी अहम बात, खाने और बनाने वालों, दोनों को जागना होगा। अनेक हलवाइयों की दुकानों पर एक ही तेल का बार-बार प्रयोग, खराब या गलत सामग्रियों का इस्तेमाल तत्काल रुकना चाहिए। आज जरूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियाँ बीमारियों से जूझती रहेंगी। तो आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें कि तेल कम करेंगे, चलना बढ़ाएंगे, जीवन को लंबा और स्वस्थ बनाएंगे! विशेषतः व्यापारियों, रेस्टोरेंट मालिकों एवं हलवाइयों के लिये सरकार को कड़े प्रावधान बनाने होंगे। पैसा कमाने के चक्कर में देश के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों को खुला नहीं छोड़ना चाहिए। जब दूध और पनीर की गारंटी न हो, तब हमें सोचना पड़ेगा कि केवल चेतावनी से सुधार नहीं आने वाला। गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

बिहार चुनाव आयोग की फुल प्रूफ मतदाता सूची बनाने की कवायद

अशोक भाटिया

आज के कई प्रमुख समाचार पत्रों में बिहार चुनाव आयोग के छपे विज्ञापन के अनुसार जो मतदाता बिहार से अस्थाई रूप से राज्य से बाहर हैं और यदि उनके पास अभी मोबाइल फोन है तो वे भी गणना प्रपत्र तुरंत भर सकते है यानि चुनाव आयोग किसी भी योग्य मतदाता को चुनाव में भाग लेने से वंचित नहीं रखना चाहता । जो बिहार से बाहर है वे ईसीआईएनईटी ऐप या वेबसाइट ३३स्त्र२://५ङ्क३ी१२ ल्ल्िङ्क५.ल्ल के जरिए मोबाइल से ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। वे यह फॉर्म परिवार के सदस्यों, व्हाट्सऐप या अन्य डिजिटल माध्यमों से भी संबंधित बीएलओ को भेज सकते हैं।चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में लॉन्च किया गया ईसीआईएनईटी प्लेटफॉर्म 40 पुराने ईसीआई एप्लिकेशनों को समाहित कर एकीकृत प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य कर रहा है। यह प्लेटफॉर्म बिहार के इस विशेष पुनरीक्षण अभियान के सभी पहलुओं को कवर कर रहा है और कुशलतापूर्वक संचालित हो रहा है।

बताया जाता है कि बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान जारी है। अब तक की प्रक्रिया के तहत 35 लाख से अधिक मतदाताओं के नाम सूची से हटाया जाना तय है। इनमें वे लोग शामिल हैं जो या तो मृत पाए गए हैं, स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके हैं या जिनका नाम एक से अधिक जगह है। चुनाव आयोग ने सोमवार को बताया कि बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अब तक 83।66 फीसदी गणना फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं।

आयोग के अनुसार, अब तक के आंकड़ों से पता चला है कि 1.59 फीसदी (12,55,620) मतदाता मृत पाए गए हैं, जबकि 2.2 फीसदी (17,37,336) मतदाता स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके हैं। इसके अलावा, 0।73 फीसदी (5,76,479) मतदाता एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत पाए गए हैं। आयोग के अनुसार, इन आंकड़ों के आधार पर कुल 35,69,435 नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। यह संख्या अंतिम नहीं है और आगामी दिनों में इसमें वृद्धि संभव है, क्योंकि अब भी फॉर्म भरने की प्रक्रिया जारी है। आयोग ने बताया, राज्य में कुल 7,89,69,844 मतदाताओं में से अब तक 6,60,67,208 मतदाताओं के फॉर्म प्राप्त हो चुके हैं। अब केवल 11.82 फीसदी मतदाता ही बचे हैं, जिनसे फॉर्म भरने की प्रक्रिया पूरी करनी है। गणना फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि तक अभी 11 दिन शेष हैं। अब केवल 11.82 प्रतिशत मतदाताओं द्वारा गणना फॉर्म जमा किया जाना शेष है। इनमें से कई ने आने वाले दिनों में दस्तावेजों के साथ फॉर्म जमा करने के लिए समय मांगा है। आयोग के अनुसार, चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में लॉन्च किए गए ईसीआई -नेट प्लेटफॉर्म पर सोमवार की शाम छह बजे तक 5.74 करोड़ फॉर्म अपलोड किए जा चुके हैं।

आयोग ने आश्वासन दिया कि ह्यकोई भी पात्र मतदाता छूट न जाएह्न सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रयास किए जा रहे हैं। जल्द ही एक लाख बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) घर-घर जाकर तीसरे राउंड का दौरा शुरू करेंगे। उनके साथ 1।5 लाख बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) भी सहयोग कर रहे हैं, जो प्रतिदिन 50 गणना फॉर्म प्रमाणित और जमा कर सकते हैं। शहरी क्षेत्रों के मतदाताओं को ध्यान में रखते हुए, बिहार के 261 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के 5,683 वार्डों में विशेष शिविर लगाए जा रहे हैं ताकि कोई भी शहरी मतदाता मतदाता सूची से वंचित न रह जाए।

गौरतलब है कि बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए चुनाव अक्टूबर या नवंबर में होने हैं, लेकिन इससे पहले ही गरमागरम बहस हो गई है और वो है मतदाता सूची की समीक्ष-ा। बिहार चुनाव आयोग के अमले मतदाता सूची की समीक्षा शुरू कर देंगे और उससे पहले ही कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव और कुछ विपक्षी दलों ने उन पर हमला करना शुरू कर दिया है।भाजपा की चाल बिहार मतदाता सूची की समीक्षा करने के लिए बहुत कम समय देना और विभिन्न मानदंडों के साथ आना और अधिकांश मतदाताओं को मतदान से वंचित करना है। इसमें राजनीति है। लेकिन राहुल गांधी हों या तेजस्वी यादव, वे सिर्फ अपने राजनीतिक उद्देश्यों को हासिल करना चाहते हैं।

पिछले दिनों बिहार की मतदाता सूची की समीक्षा में जो कुछ चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। इनसे निपटने के बजाय, अगर भाजपा विपक्षी दलों पर केवल गैर-मुद्दे उठाने और चुनाव आयोग का समय बर्बाद करने का आरोप लगाती है तो नाराज होने का कोई कारण नहीं है।म्यांमार और बांग्लादेशियों के नाम बड़ी संख्या में पाए गए हैं। आयोग ने ही यह खुलासा किया है। इसलिए, विपक्षी दलों के लिए इस पर कटाक्ष करने का कोई कारण नहीं है।

इसलिए, उचित जांच के बाद, इन अवांछित मतदाताओं को मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद ही अंतिम सूची 30 सितंबर को प्रकाशित हो रही है , जिसने विपक्ष को परेशान कर दिया है, क्योंकि नकली नकारात्मक की उनकी चाल उनके ध्यान में आई है। यह है। ऐसी प्रक्रिया 2003 में शुरू हुई थी। तब से प्रक्रिया 2026 में फिर से शुरू हुई है। बीच-बीच में काफी पानी बह गया।

मतदान का अधिकार लोकतंत्र की आत्मा है। यह अधिकार केवल देश के नागरिकों का है। लेकिन बिहार जैसे राज्य में बंगाली घुसपैठियों के नाम पाए गए हैं और उनमें म्यांमार और नेपाली घुसपैठिए पाए गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई मतदाता सूची की जांच में यह गंभीर मामला सामने आया है। दिलचस्प बात यह है कि यह पता चला है कि उसने आधार कार्ड और राशन कार्ड का भी इस्तेमाल किया है। राजनीतिक दलों ने उन्हें ये आधार कार्ड वितरित किए होंगे। यहां तक कि मुंबई के बांद्रा के बेहरामपाड़ा में भी कई मतदाताओं को लाया गया और उन्हें हर तरह की मदद दी गई और हमारे राजनीतिक दल सबसे आगे थे। यह उनमें से एक है।भारत एक लोकतांत्रिक देश के रूप में जाना जाता है, लेकिन यह दुखद वास्तविकता है कि लोकतंत्र के मूल स्तंभों को रौंदा जा रहा है। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट को स्पष्ट कर दिया है कि आधार कार्ड किसी भी नागरिक की पवित्रता का प्रमाण नहीं है। यह किसी को भी और किसी भी तरह आधार कार्ड के वितरण में परिलक्षित होता है। कुछ भी हासिल नहीं हुआ और तब आरोप लगे कि आधार कार्ड के कारण केवल फर्जी नागरिकों को पंजीकृत किया गया था।

उस समय आधार कार्ड पर कितना भरोसा किया जाए यह सवाल उठा था और अब इसे मजबूत किया गया है। मतदाता सूची को क्रम में रखना चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है और यदि कोई घोटाला हुआ है, तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं है, इसलिए किसी भी मतदाता सूची का मुख्य उद्देश्य फर्जी मतदान को रोकना है। यदि यह गलत है, तो अगली प्रक्रिया का कोई मतलब नहीं है। देश की सुरक्षा और संप्रभुता को चुनौती दी गई है। कोई भी देश इसे स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन कांग्रेस समेत कुछ विपक्षी दलों का रुख मतदान प्रक्रिया में बाधा बन रहा है। तेजस्वी यादव ने बिहार चुनाव में आधार कार्ड न होने पर आपत्ति जताई है। लेकिन उनका विरोध बहुत समझ में आता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में मतदान प्रक्रिया काफी जटिल है; लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। आयोग की यह कठिन जिम्मेदारी है कि वह प्रत्येक योग्य मतदाता को विशाल जनसंख्या और कुछ अरब मतदाताओं की सूची के आधार पर मतदान का अधिकार दे। आयोग इन सभी को पार करके मतदान को सही तरीके से संचालित करने का काम करता है, लेकिन सीमावर्ती राज्य हैं जहां ऐसे फर्जी मतदाता पाए जाते हैं।

अगर आयोग उन्हें मतदाता सूची से चट्टान की तरह हटाने का काम कर रहा है, तो इसे चुनौती देना और बाधा डालना कितना उचित है? सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, दोनों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि देश किसी भी चुनाव से बड़ा होता है और चुनाव में हार-जीत से ज्यादा देश की संप्रभुता और देश की सुरक्षा जरूरी होती है।इसके बारे में सभी को पता होना चाहिए। बिहार में चुनाव आयोग ने मतदाता सूची की समीक्षा शुरू कर दी है और पहले से ही विरोधी आवाजें हैं। लेकिन हर योग्य उम्मीदवार को वोट देने का अधिकार मिलना चाहिए, साथ ही आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कुछ योग्य मतदाता मतदान से वंचित न रहें। घुसपैठियों के नाम मतदाता सूची में आने से रोकने के लिए प्रयास किए जाने चाहिए और बलिदान दिए जाने चाहिए। लेकिन इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि इससे देश को भारी नुकसान होगा।

जिन लोगों के नाम एक अगस्त को जारी होने वाली मतदाताओं की ड्राफ्ट सूची यानी मसौदा सूची में नहीं होंगे तो वो क्रमशः मतदान रजिस्ट्रेशन अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और फिर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपील दायर कर अपने प्रमाणपत्रों के साथ दावा कर सकते हैं। वोटर्स की फाइनल लिस्ट 30 सितंबर को प्रकाशित होगी।

इस बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने चुनाव आयोग पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, चुनाव आयोग बता रहा है कि 80 प्रतिशत से ज्यादा फॉर्म भरा जा चुका है। हम लोगों का फॉर्म अभी तक नहीं भराया है। आयोग को बताना चाहिए कि उनका जो दावा है 80 फीसदी से ज्यादा फॉर्म भरा जा चुका है, वह सच है या फिर क्या है। चुनाव आयोग नहीं बता रहा है कि जो फॉर्म भर गया है, उसमें कितना सत्यापित और असली है।फील्ड से उन लोगों को बताया गया कि हमें तो जानकारी तक नहीं है कि उनका फॉर्म भरा जा चुका है। चुनाव आयोग का दावा जमीनी हकीकत से विपरीत है।

छांगुर गैंगः धर्मांतरण की आड़ में गजवा-ए-हिन्द का षड्यंत्र

-सुरेश गांधी

यूपी के बलरामपुर से उठा धर्मांतरण का एक संगठित और सुनियोजित षड्यंत्र आज न सिर्फ पूरे राष्ट्र की आत्मा को झकझोर रहा है, बल्कि भारत के सामाजिक ताने-बाने के विरुद्ध छेड़ी गई एक सुनियोजित लड़ाई का प्रतीक बनकर उभरा है। यह सिर्फ धर्मांतरण नहीं, एक वैचारिक हमला है, जिसमें विदेशी धन, कट्टरपंथी सोच और निरीह गरीबों की मजबूरी को एक हथियार बनाया गया। नाम है, ह्यछांगुर बाबाह्न, असली नाम जमालुद्दीन। यह वही चेहरा है, जिसने स्वयं को पहले हिंदू संत के रूप में प्रस्तुत किया, फिर ह्नसूफी संतह्न, और आखिरकार इस्लामिक एजेंट की तरह ह्यगजवा-ए-हिन्दह्न की जहरीली बुनियाद डालने में जुट गया। धर्मांतरण का यह रैकेट न केवल सामाजिक ढांचे को तोड़ रहा है, बल्कि सीधे-सीधे राष्ट्रविरोधी एजेंडे का भी हिस्सा बन चुका है। छांगुर बाबा का नेटवर्क यूपी, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, असम, दिल्ली, राजस्थान, और महाराष्ट्र तक फैला है। उसके माध्यम से भोले-भाले दलितों, आदिवासियों और निर्धन वर्ग को चमत्कार, तंत्र-मंत्र और झूठे इलाज के बहाने मजहबी जाल में फंसाया गया। धर्म परिवर्तन के बाद हिन्दू रीति-रिवाजों का त्याग और नव इस्लामी पहचान की कठोर सीख दी गई। ये कार्य अकेले नहीं, बल्कि एक संगठित टीम, फंडिंग, और विचारधारा के साथ हो रहे थे। यह सब दशार्ता है कि यह धर्म परिवर्तन नहीं, भारत को विचारों से बदलने का षड्यंत्र था।

मुस्लिम समुदाय की ओर से विदेशों से भारी फंडिंग होती रही, जिसका प्रयोग मस्जिदों, मदरसों, और कन्वर्जन केंद्रों को खड़ा करने में हुआ। इस कार्य में विदेशी एनजीओ, पाकिस्तानी फंडिंग नेटवर्क, और खाड़ी देशों से जुड़ी संस्थाओं की भूमिका जांच के घेरे में है। ह्नगजवा-ए-हिन्दह्न वह कट्टर इस्लामी अवधारणा है, जिसमें भारत को इस्लामी शासन के अधीन लाने का सपना पाले बैठे आतंकी गुट बार-बार इसे अपना लक्ष्य बताते रहे हैं। छांगुर गैंग इसी जहर को ह्यधर्मगुरुह्न की आड़ में बोता रहा. धर्मांतरण के बाद लोगों को भारत विरोधी विचारधारा से लैस किया गया। पाकिस्तान परस्त मौलानाओं से जुड़ी बैठकों के वीडियो, ऑडियो, और लेख प्राप्त हुए हैं, जो इस नेटवर्क के आतंकी कनेक्शन को इंगित करते हैं। स्थानीय मदरसों में कट्टरता, जिहाद और इस्लामी प्रभुत्व की शिक्षाएं बच्चों तक को दी जा रही थीं। जिन युवाओं ने झांसे में आकर मजहब बदला, उनमें से कई ह्यस्लीपर सेलह्न की भूमिका में आने लगे। हालिया इनपुट के मुताबिकः कई धर्मांतरित युवक नकली दस्तावेजों के साथ सरकारी योजनाओं का दुरुपयोग कर रहे थे। कुछ साइबर फ्रॉड, हवाला, और फेक आइडेंटिटी जैसे अपराधों से भी जुड़ चुके हैं।

आईबी और एटीएस की जांच में कई सबूतों से यह स्पष्ट हुआ है कि यह केवल धार्मिक नहीं, राजनैतिक और आतंकी उद्देश्यों की पूर्ति का माध्यम है। वर्षों से यह नेटवर्क सक्रिय था, लेकिन स्थानीय प्रशासन, खुफिया एजेंसियां और पुलिस आंख मूंदे बैठे रहे। धर्म की स्वतंत्रता के संवैधानिक अधिकार की आड़ में इस्लामीकरण की खेती होती रही। कुछ नेताओं और स्वयंभू सेक्युलर बुद्धिजीवियों की चुप्पी और समर्थन, इस गैंग को पनपने का खाद-पानी देते रहे। जांच एजेंसियों को शक है कि छांगुर गैंग का प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) से भी जुड़ाव था. मकसदः गरीबों को लुभाना, धर्म बदलवाना और उन्हें भारत विरोध की शिक्षा देना। वॉट्सऐप ग्रुप्स और टेलीग्राम चैनल के माध्यम से कट्टर मजहबी संदेशों का प्रचार किया जा रहा था। विदेशी खाते, संदिग्ध हवाला ट्रांजेक्शन्स और ह्यबाबाह्न के ठिकानों से बरामद दस्तावेज इस कड़ी को और पुख्ता करते हैं।

बता दें, 23 जून को बाबा छांगुर द्वारा हजारों लोगों के नामांतरण की जानकारी मिली. 24 जून को उतरोला थाना क्षेत्र के मधपुर गांव में बाबा की विशाल कोठी देखने के बाद इस बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ. यह नेटवर्क पूरे भारत में फैला हुआ है और हजारों लोगों का धर्मांतरण करा चुका है. हरियाणा में 12 और 13 जुलाई को छांगुर गैंग के आमिर और उसकी बहन नेहा को गिरफ्तार किया गया है. पीड़ितों को विदेशों से भी धमकियां मिल रही हैं. खुफियां एजेंसियो के मुताबिक धर्मांतरण के इस देशव्यापी जाल में छांगुर ने 5000 से ज्यादा लड़कियों का धर्म परिवर्तन कराया है. 1000 मुस्लिम युवकों की फौज खड़ा कर लव जिहाद का खेल खेल रहा था। एटीएस और ईडी की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, छांगुर बाबा की सच्चाई परत-दर-परत बेनकाब होती जा रही है. धर्मांतरण के एक संगठित रैकेट से शुरू हुआ खुलासा अब आईएसआई कनेक्शन और राष्ट्रविरोधी साजिश तक पहुंच चुका है. छांगुर बाबा सिर्फ धर्म बदलवाने का खेल नहीं खेल रहा था, बल्कि हिंदुस्तान में सांप्रदायिकता का जहर खोलकर तोड़ने की साजिश भी रच रहा था. छांगुर बाबा ने धर्मांतरण के नाम पर जो नेटवर्क खड़ा किया था, उसी का इस्तेमाल कर वो पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से सीधा संपर्क साधने की कोशिश कर रहा था.

खुफिया एजेंसियों के मुताबिक नेपाल की राजधानी काठमांडू में पाकिस्तानी दूतावास में आईएसआई एजेंटों की एक गोपनीय बैठक हुई थी. इसमें छांगुर के नेपाल कनेक्शन के जरिए संपर्क की कोशिश की गई. हिंदू लड़कियों के धर्मांतरण के बाद आईएसआई एजेंटों से निकाह की साजिश छांगुर बाबा की योजना थी कि आर्थिक रूप से कमजोर हिंदू परिवारों की महिलाओं को फंसाकर उनका धर्मांतरण कराया जाए. फिर इनका निकाह नेपाल में आईएसआई के एजेंटो और स्लीपर सेल से करवा दिया जाए. ये महिलाएं बाद में जासूसी के नेटवर्क का हिस्सा बन सकें, इसके लिए बाकायदा कोडवर्ड सिस्टम भी विकसित किया गया था. छांगुर बाबा का नेटवर्क सिर्फ उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं था. छांगुर बाबा का जाल महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, बिहार और पश्चिम बंगाल तक फैला हुआ था. इस पूरे नेटवर्क को वो विदेशी फंडिंग के जरिए मजबूत करता रहा. एटीएस की पूछताछ में खुलासा हुआ है कि उसने लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवकों की फौज तैयार की थी. बीते तीन वर्षों में 1000 से ज्यादा मुस्लिमों को इस काम के लिए कैश पेमेंट दी गई. नेपाल सीमा से सटे सात जिलों को टारगेट किया गया. बाबा का नेटवर्क लड़कियों को फंसाता, ब्रेनवॉश करता और फिर उनका धर्मांतरण कर निकाह करवा देता था. इसके लिए विदेशों से भारी मात्रा में फंड आता था. एटीएस की जांच में छांगुर बाबा द्वारा इस्तेमाल किए गए कोडवर्ड भी सामने आए हैं. जैसे कि लड़कियों को प्रोजेक्ट कहा जाता था. ब्रेनवॉश की प्रक्रिया को काजल करना कहा जाता था. किसी लड़की को बाबा से मिलाने को दीदार कराना कहा जाता था.

छांगुर गैंग ने दिखा दिया कि धर्म के नाम पर कितनी गहरी साजिशें चल रही हैं। यह केवल आस्था पर हमला नहीं, भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक और संवैधानिक संरचना को छिन्न-भिन्न करने की साजिश है। यह वह समय है, जब देश को आत्मिक पुनरावलोकन और निर्णायक एक्शन की जरूरत है। हमें तय करना होगा, छांगुर की सूफियाना माया के पीछे छिपे इस्लामीकरण के नाग को पहचानेंगे, या फिर एक दिन वह नाग हमारी सभ्यता को डस लेगा। यह घटना केवल बलरामपुर या उत्तर प्रदेश की नहीं, यह पूरे भारत की अस्मिता पर हमला है। जब तक ह्यधर्मांतरणह्न को मजहबी स्वतंत्रता का आवरण मिलता रहेगा, तब तक गजवा-ए-हिन्द जैसे सपने पनपते रहेंगे, ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है क्या धर्मांतरण विरोधी कड़े कानून पूरे भारत में लागू हों? क्या सभी धर्मगुरुओं की निगरानी, उनके फंडिंग स्रोतों की जांच हो? क्या धर्मांतरण के बाद की सामाजिक और मानसिक स्थिति का गहन अध्ययन हो? क्या सरकारी योजनाओं में फर्जी लाभार्थियों की शिनाख्त की जाएं? क्या गांव स्तर तक जागरूकता अभियान चलाकर सच्चाई उजागर की जाएं? क्या धर्म की आड़ में इस्लामी साजिश का वाहक है छांगुर गैंग? क्या यह गरीबों, दलितों और आदिवासियों की आस्था पर हमला नहीं है? क्या धर्म की आड़ में यह गैंग राष्ट्रविरोधी प्रयोगशाला है? क्या भारत के संविधान, संस्कृति और चेतना पर संगठित प्रहार नहीं है? क्या यह संभव है कि एक बाबा अकेले इतने बड़े क्षेत्र में काम कर रहा था?

इसी तरह धर्मारण को मिट्टी पलटना कहा जाता था. इन कोड्स के जरिए बाबा और उसका गैंग आपस में बात करता था ताकि किसी को भनक न लगे. ईडी और एटीएस की पड़ताल में यह बात भी सामने आई है कि बाबा के पास विदेशों से करोड़ों की फंडिंग आई. जांच में अब तक 18 बैंक खातों की जानकारी मिली है. इनमें कुल 68 करोड़ रुपए जमा हुए. केवल तीनमहीनों में ही 3 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए. छांगुर बाबा की सबसे बड़ी राजदारनीतू वोहरा उर्फ नसरीन थी, जो खुद भी धर्म परिवर्तन कर इस साजिश का हिस्सा बनी. उसके खाते में अकेले चार महीनों में 14 करोड़ रुपए आए. उन्हें तुरंत निकाल भी लिया गया. वहीं, उसके पति नवीन वोहरा के खातों में भी 18 करोड़ रुपए की एंट्री मिली है. बाबा ने अपने नेटवर्क को कानूनी रूप देने के लिए चार अलग-अलग संस्था बना रखी थीं. इन्हीं संस्थाओं के जरिए फंडिंग होती थी. इसकी आड़ में राष्ट्रविरोधी साजिश का खाका तैयार किया जा रहा था. इस पूरे मामले में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद सख्त रुख अपनाया है. उन्होंने स्पष्ट कहा है कि विदेशों से आ रहे पैसे के जरिए भारत को तोड़ने की साजिश हो रही है. राज्य सरकार किसी भी कीमत पर इसे सफल नहीं होने देगी. फिलहाल छांगुर बाबा यूपी एटीएस की गिरफ्त में है. उत्तर प्रदेश में धर्मांतरण के कई मामले सामने आए हैं, जिनमें संगठित रैकेट के नेटवर्क को ध्वस्त किया गया है. छांगुर बाबा की गतिविधियां सिर्फ धर्मांतरण तक सीमित नहीं थीं, बल्कि वह क्षेत्रीय डेमोग्राफी को बदलने के मंसूबे पाले हुए थे. बीते कुछ सालों से यूपी के कई जिलों में संगठित रूप से धर्मांतरण की घटनाएं चैंकाने वाली हैं. यह गैंग लगभग 15 वर्षों से कार्य कर रहा था और इस दौरान इसने बड़ी संख्या में धर्मांतरण कराए हैं. जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा, जो कभी भीख मांगता था, ने न सिर्फ अवैध धर्मांतरण का एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय रैकेट चलाया, बल्कि 10 साल में अरबों की अवैध संपत्ति खड़ी कर ली. मुंबई से दुबई और यूपी के बलरामपुर से तुर्की तक फैले इस नेटवर्क के जरिए उसने 5000 से ज्यादा हिंदू और सिख लड़के लड़कियों का धर्मांतरण कराया. उसके 40 खातों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन हुआ है और उसे पाकिस्तान, तुर्की, यूएई और सऊदी अरब जैसे देशों से फंडिंग मिलती थी धर्मांधरण की आड़ में धोखे और फॉरेंन फंडिंग का धंधा चला रहे छांगुर बाबा के नेटवर्क को लेकर कई खुलासे हो रहे हैं जो उसके काले कारनामों की पूरी कहानी बयां कर रहे हैं,

इस्लामिक इंडिया का सपनाः दस्तावेजी साक्ष्य

पकड़े गए मोबाइल, लैपटॉप व डिवाइसों से जो दस्तावेज मिले, उनमें उल्लेख हैः 2030 तक भारत के 30 जिलों को मुस्लिम बहुल बनाना. हर जिले में धार्मिक सेंटर. महिलाओं को टारगेट करो. तिलक, पूजा, आरती, सब बंद कराओ और कट्टरता के लिए धार्मिक अध्ययन, विदेश ट्रेनिंग यह सब दशार्ता है कि यह धर्म परिवर्तन नहीं, भारत को विचारों से बदलने का षड्यंत्र था। बलरामपुर के महदेईया, तुलसीपुर, नानपारा, चंदईपुर जैसे गांवों में दर्जनों ऐसे परिवार मिले हैं, जिन्होंनेः दबाव में आकर धर्म बदला, फिर भी आर्थिक स्थिति नहीं सुधरी, और जब उन्होंने विरोध किया तो धमकियां मिलने लगीं। एक पीड़ित ने बताया, पहले बाबा ने कहा हम गरीब हैं, अल्लाह का रास्ता अपनाओ तो सब मिलेगा। अब ना पुराना धर्म बचा, ना समाज। बोलने से डर लगता है। कई परिवारों को अब पुलिस सुरक्षा में रखा गया है, क्योंकि च्छाँगुर के गुर्गों द्वारा धमकी दी जा रही है. अगर बाबा के खिलाफ बोले तो अंजाम भुगतोगे।

पीड़ितों की कहानीः धर्म बदला, डर बढ़ा

लेकिन अब खुद उसके धर्मांतरण की शिकार बनी कई महिलाएं सामने आईं हैं, जिन्होंने अपनी आपबीती बताई, पीड़ित महिलाओं ने बताया कि कैसे उन्हें छांगुर बाबा ने अपने जाल में फंसाया और फिर कैसे उनका धर्म बदलवाया. धर्म परिवर्तन के लिए उसने बाकायदा एक रेट लिस्ट बना रखी थी. छांगुर बाबा 3 तरीकों से धर्मांतरण करवाता था. नीतू-जमालुद्दीन की अमीरी दिखाता, लव जिहाद के लिए मुस्लिम युवाओं को उकसाता. उसके इन 3 तरीकों में एक तरीका मुस्लिम युवाओं को हिंदू लड़की से शादी करने और फिर उसे इस्लाम कबूल करवाने का था। छांगुर के ह्नछलजालह्न में फंसीं युवतियों की आपबीती सुनकर इस वक्त हर कोई अचंभित है। पीड़िता ने बताया कि मुझे मारपीट कर बेहोशी की हालत में उतरौला ले जाया गया. कहा गया कि मेरा रूहानी इलाज किया जाएगा. छांगुर का गुर्गा फरमान मुझे सहारनपुर ले गया. वहां मुझे नकली नाम से अस्पताल में भर्ती करवाया गया. ये लोग सीधी कॉल नहीं करते थे. इंटरनेट कॉल के जरिए संपर्क में रहते थे. वे मुझे सऊदी लेकर गए थे. मैं ब्यूटीशन हूं, मुझसे कहा गया कि वहां अच्छी कंपनी में नौकरी लगवा दूंगा. वहां शादी कर सेटल हो जाएंगे. वहां जाकर पता चला कि यह हिंदू नहीं, मुस्लिम हैं. देवबंद, मुरादाबाद, मुजफ्फरनगर मिनी पाकिस्तान में इनका रैकट है.

दूसरी महिला ने बताया कि मेरे जो संपर्क में आया, उसने मुझे अपना नाम अमित बताया. उसका असली नाम अबू अमीर अंसारी था. उसने पूरी फैमिली को हिंदू बताकर मुझसे मिलवाया. छांगुर बाबा से मेरी 2019 में मेरी मुलाकात चांद औलिया दरगाह पर हुई, जहां का माहौल बड़ा अजीब था. वहां सिर्फ महिलाएं थी और उनका ब्रेनवॉश कराया जा रहा था. जिन्होंने मुझे अपने जाल में फंसाया, उसके पिता ने ही 10 से ज्यादा का धर्म परिवर्तन कराया है. उनको जब तक पकड़ा नहीं जाएगा तब तक खुलासे नहीं होंगे. अभी तो इस मामले में 50 फीसदी भी कार्रवाई नहीं हुई है. इस गैंग का अभी तो सरगना गिरफ्तार हुआ है बाकि जो इस गैंग को चला रहे हैं वो तो अभी तक खुले घूम रहे हैं. सभी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए, छांगुर बाबा की प्रोपर्टी अपने नाम पर नहीं है, उसने ज्यादातर प्रोपर्टी दूसरों के नाम पर ली है. वो दूसरों के नाम से सारा खेल खेल रहा है. कोई भी सरगना अपने आप से खेल नहीं खेलता है. फंडिंग हुई है, और रेट तय किया गया है. फंडिंग का पैसा किसी भी पीड़िता को नहीं मिला. ये पैसा हवाला के जरिए आता है. नेपाल से आता है, इसमें नेपाल का बहुत बड़ा सहयोग है. लखनऊ के अंदर मैंने वो जगह बताई है, किस जगह से पैसा आता है कहां से लिया जाता है.

तीसरी पीड़ित ने बताया कि उन्हें जान से मारने की धमकी दी जा रही है. औरैया की रहने वाली युवती ने बताया कि वो रूद्र बनकर मेरी मम्मी को 2019 में पापा की शराब छुड़वाने के लिए मिला था. इसके बाद हम छांगुर बाबा से मिले. छांगुर ने एक ताबीज दिया और दुआ पढ़ी. रूद्र की बहन मेरे घर पर नाम बदलकर आती जाती थीं. 2024 में उसने कहा कि बाबा कानपुर आए हैं, उनसे मिल लो. हम उसके साथ चले गए. वह मुझे फतेहपुर मस्जिद में ले गया. मेरे साथ जबरन निकाह किया गया. तब मुझे पता चला कि उसका नाम मेराज अंसारी है. वीडियो कॉल पर छांगुर बाबा भी था. उन्होंने मेरा नाम जैनब रखा. सबा नाम की औरत को मेरी नकली मां बनाया था. तीन महीने तक मुझे बंधक रखा गया. वह फोन पर 2047 तक भारत को इस्लामिक मुल्क बनाने की बात करता था. उसके बड़े पापा पाकिस्तान में रहते हैं. मुझे वहां भेजने की बात भी करते थे.

कानून, संवैधानिकता

भारत का संविधान स्वतंत्रता देता है, भ्रमित करने का अधिकार नहीं। धर्मांतरण तब वैध हो सकता है जब वह स्वेच्छा और समझ के साथ हो। परंतु लालच, भय, मानसिक दबाव और संगठित नेटवर्क से कराया गया धर्म परिवर्तन संवैधानिक अपराध है।

जरूरी कदम

धर्मांतरण विरोधी कानून को केंद्रीय स्तर पर मजबूत बनाया जाए। हर राज्य में धार्मिक स्वतंत्रता निगरानी आयोग बने। विदेशी फंडिंग पर डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम लागू हो। पीड़ितों के लिए पुनर्वास और मानसिक परामर्श तंत्र बने। क्योंकि धार्मिक स्वतंत्रता भारत की आत्मा है, लेकिन संगठित धर्मांतरण उसकी हत्या। छांगुर गैंग जैसी घटनाएं कोई अपवाद नहीं, प्रायोजित प्रयोग हैं। यदि आज हम इनका पदार्फाश नहीं करेंगे, तो कल बेटियों, संस्कारों और समाज की नींव छिन जाएगी। यह समय है, देश को चेताने का। धर्म की रक्षा नहीं, भारत की चेतना की रक्षा करें। भारत के नागरिकों, विशेषकर युवाओं को यह समझना होगा कि धर्मांतरण कभी भी स्वतंत्रता नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और सामूहिक चेतना का विषय है।

राज्य संभावित गतिविधियां यूपी ाlरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा जेसे संवेदनशील जोन बिहार सीमांचल क्षेत्र कट्टरता के लिए जाना जाता है पश्चिम बंगाल बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े लिंक केरल फंडिंग व विचारधारा प्रशिक्षण का केंद्र दिल्ली संपर्क बिंदु, पीएफआई लॉबी सक्रिय विदेशी फंडिंग और स्लीपर मॉड्यूल का शक रिपोर्ट्स के अनुसार, कुछ मानव सेवा के नाम पर रजिस्टर्ड एनजीओ इस नेटवर्क का वित्त पोषण कर रहे थे। यूएई, मलेशिया, और कतर जैसे देशों से हवाला मार्ग से पैसा भारत लाया गया, जिसे सामाजिक कार्यों की आड़ में इस्तेमाल किया गया। अब खुफिया एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि कहीं यह नेटवर्क स्लीपर सेल या कट्टरपंथी वैचारिक प्रशिक्षण का अड्डा तो नहीं।

शिव कावड़ यात्रा संघ यादव नगर द्वारा भव्य कावड़ यात्रा आयोजित, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

पालघर (उत्तरशक्ति/ अजीत सिंह)। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित यादव नगर में शिव कावड यात्रा का भव्य आयोजन श्रद्धा व भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। सूर्या नदी से कावड लेकर निकले भक्तों ने यादव नगर स्थित शिव साई हनुमान मंदिर में भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। कार्यक्रम का संचालन कावड यात्रा संघ के अध्यक्ष चंदबली यादव के मार्गदर्शन में किया गया।

कावड यात्रा का शुभारंभ मंदिर के पुजारी पं. मयाशंकर शुक्ला, श्री दुर्गा मंदिर मान के महंत संत गुरु जी महाराज, तथा पं. अरुण तिवारी (करिया बाबा) द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच विधिपूर्वक नारियल तोड़कर किया गया। धार्मिक उत्सव के इस पावन अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। भाजपा नेता अशोक वडे, बजरंग दल गौरक्षा प्रमुख चंदन सिंह, यजुर्वेद सावे सहित अन्य अतिथियों ने कार्यक्रम में शामिल होकर कावड़ियों का मनोबल बढ़ाया और सभी को शिवभक्ति की शुभकामनाएं दीं। इस आयोजन को सफल बनाने में तन-मन-धन से सहयोग देने वालों में सुनील प्रजापति, आनंद सोनी, सोना सेठ, आशोक यादव, रूपेश चौहान, ऋषिकेश पांडे, सुनील पटवा, विनोद यादव, अमरजीत सिंह, जयदत्त सिंह, मुकलेश गिरी, प्रेमपाल, सुमन दुबे, सूरज प्रजापति, कमलेश गुप्ता, मनीष यादव, मनीराम सिंह, मान सिंह ठाकुर, मोहन यादव, मनीष श्रीवास्तव, ब्रजेश यादव, महिला मंडल सहित अन्य सामाजिक कार्यकताओं की भूमिका सराहनीय रही। करीब 10 किलोमीटर तक चली कावड़ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को रास्ते में जगह जगह पर विभिन्न संगठनों की ओर से उत्तम जलपान व सहयोग प्रदान किया गया। इस मौके पर पहुंचे सभी अतिथि गण का स्वागत भगवान भोलेनाथ की तस्वीर और पारंपरिक गमछा भेंट कर किया गया। पुलिस प्रशासन की उपस्थिति ने व्यवस्था को सुव्यवस्थित बनाए रखा। अंत में अध्यक्ष चंदबली यादव ने सभी अतिथियों, भक्तों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। युवा सर्व सनातन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं संस्थापक जयकुमार पटवा ने विशेष रूप से सभी लोगों प्रति आभार जताया।

होटल रामदेव बाइट्स के सांस्कृतिक हाल में जायंट्स ग्रुप आफ भिवंडी मेट्रो सहेली की मीटिंग संपन्न

आचार्य सूरजपाल यादव/भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी के रामदेव बाइट्स होटल में जायंट्स ग्रुप ऑफ भिवंडी मेट्रो सहेली ने गर्व के साथ एक नए समूह रजायंट्स ग्रुप ऑफ भिवंडी ग्रामीणर की स्थापना प्रायोजित की। इस सफल स्थापना के लिए फेडरेशन की उपाध्यक्ष मनीषा भांगरे का विशेष आभार है जिनके अथक प्रयासों के कारण यह कार्यक्रम सफल हुआ। वैशाली पाटिल को नए ग्रुप की अध्यक्ष के रूप में चुने जाने पर लोगों ने शुभकामनाएँ दिये। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय समिति सदस्य मनोहर पालन (सर) उपस्थित थे। साथ ही विशिष्ट अतिथि गगनभाई जैन, मनीषा भांगरे और यूनिट डायरेक्टर यशवंती बिल्लावा भी उपस्थित थीं। राजेश पाठारे को उनके बहुमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। शिल्पा मेस्त्री और भिवंडी मेट्रो सहेली ग्रुप की अध्यक्ष सीमा की भी इस कार्यक्रम में गरिमामय उपस्थिति रही।

पर्यावरण वाचवा कृती समिति घाटकोपर निषेध रैली

मुंबई (उत्तरशक्ति)। रविवार पर्यावरण वाचवा कृती समिती घाटकोपर (पश्चिम) मुंबई खंडोबा टेकडी बचाओ,डोंगर पर 400 से भी अधिक बेसुमार पेड़ों का कतल,ये सब हिरानंदानी बिल्डर विकासकाने के नाम किया जा रहा है। इसको देखते हुए जाहिर निषेध रैली घाटकोपर वाहा के परीसर और पर्यावरण प्रेमी निषेध रैली में उपस्थित रहे। निषेध रैली आयोजन ज्ञात अज्ञात और असंख्य मंडळ के लोग इस रैली का हिसा बने और आए हुए सभी का आभार व्यक्त धन्यवाद किया गया। पर्यावरण बचाव कृती समिती घाटकोपर द्वारा.पेड़ बचाओ, पेड़ बढ़ाओ. खंडोबा टेकडी बचाओ प्रधानमंत्री, महाराष्ट्र राज्य मुख्यमंत्री, राज्य उपमुख्यमंत्री, महाराष्ट्र राज्य पर्यावरण मंत्री और सभी मंत्री मंडल से गुजरिश है।

वाशी में वैवाहिक संस्थाओं में आपराधिक प्रवृत्तियों पर जागरूकता सम्मेलन

नवी मुंबई। महिला सुरक्षा के लिहाज से बेहद चर्चित विषय ऑनलाइन नवरा नको ग बाई... पर आधारित एक जागरूकता व्याख्यान शनिवार, 19 जुलाई, 2025 को शाम 4.30 बजे से 7.30 बजे तक एमजीएम अस्पताल, वाशी के पास साहित्य मंदिर सभागार में आयोजित किया जाएगा। यह पहल नेत्रा एंटरप्राइजेज के बहुउद्देशीय मंच रवी मुक्तार और स्विफ्ट डिटेक्टिव एंड इन्वेस्टिगेशन्स के सहयोग से क्रियान्वित की जा रही है। इस कार्यक्रम में ऑनलाइन वैवाहिक संस्थाओं में धोखाधड़ी, झूठी पहचान और आपराधिक प्रवृत्तियों पर गहन जानकारी प्रदान की जाएगी और मुख्य वक्ता के रूप में प्रिया काकड़े (निदेशक, स्विफ्ट डिटेक्टिव एंड इन्वेस्टिगेशन्स) का व्याख्यान आयोजित किया गया है। वे ऑनलाइन विवाह मिलान के संभावित खतरों और उनसे निपटने के उपायों के बारे में ठोस उदाहरणों के साथ मार्गदर्शन करेंगी। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण दुल्हन फैशन रैंप वॉक प्रतियोगिता है, जिसमें कई महिलाएँ पारंपरिक परिधानों में रैंप वॉक के जरिए वैवाहिक संस्कृति के सुंदर और सुरक्षित पहलू को उजागर करने का प्रयास करेंगी। यह कार्यक्रम सभी के लिए खुला है। 'वी मुक्ता' की नेत्रा गुजराती ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाना, जागरूकता और आत्मनिर्भरता बढ़ाना है और ऐसे कार्यक्रम समाज में जागरूकता पैदा कर रहे हैं'। 'वी मुक्ता' मंच की यह विशिष्टता समाज में लंबे रहे संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा करके महिलाओं को जागरूक करने का एक प्रयास है।

किआ ने अपनी पहली मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक गाड़ी 'कैरेंस क्लैविस' ईवी लॉन्च की

मुंबई। किआ इंडिया, एक अग्रणी मास-प्रमियम ऑटोमोबाइल निमार्ता, ने आज अपनी पहली मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक गाड़ी, कैरेंस क्लैविस ईवी को लॉन्च किया। इसकी शुरूआती कीमत 17.99 लाख रुपये है। कैरेंस क्लैविस ईवी संभावित ईवी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें शानदार स्पेस, स्मार्ट तकनीक और लचीलेपन का अनूठा मिश्रण है, वो भी किफायती दाम में। चाहे परिवार या दोस्तों के साथ लंबी सड़क यात्रा हो, वीकेंड की छुट्टी हो, या रोज का शहरों के बीच का सफर, यह गाड़ी हर स्थिति को आसानी से संभाल लेती है। कैरेंस क्लैविस का समावेशी डिजाइन और बेहतरीन प्रदर्शन किआ के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के दृष्टिकोण को दिखाता है, जो सिर्फ कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए है जो स्मार्ट, पर्यावरण-अनुकूल और व्यावहारिक ड्राइविंग अनुभव चाहते हैं। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री ग्वांगगु ली ने कहा, हम नई तकनीक, पर्यावरण की देखभाल और ग्राहकों की बदलती जरूरतों को समझकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने कई सालों में एक मजबूत वैश्विक ईवी पोर्टफोलियो बनाया है और अब हमें गर्व है कि हम उस विशेषज्ञता को भारत लेकर आ रहे हैं। कैरेंस क्लैविस ईवी इस सफर में हमारा अगला कदम है। यह तीन मुख्य चीजों पर आधारित है - हमारी विश्वसनीय वैश्विक ईवी तकनीक, उन्नत सुविधाएँ जो ड्राइविंग को आसान बनाती हैं, और हमारा खास आरवी दर्शन जो गति, लचीलापन और एकजुटता को दशार्ता है। भारत की पहली इलेक्ट्रिक आरवी, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी, उस देश के लिए बनाई गई है जो महत्वाकांक्षा और एकता के साथ आगे बढ़ता है। भारत से प्रेरित, हमारा पहला मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक वाहन ई-वी की सोच को आगे ले जाता है और एक नया मार्ग प्रशस्त करता है। कैरेंस क्लैविस ईवी एक विश्वसनीय और कुशल इलेक्ट्रिक पावरट्रेन द्वारा संचालित है, इसे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है।

केडीएमसी के विशेष स्वच्छता अभियान के तहत 1,300 टन से ज्यादा कचरा उठाया

कल्याण (उत्तरशक्ति)। डोंबिवली मनपा ने 7 वार्डों में कचरा संग्रहण का ठेका एक निजी कंपनी सुमित एल्को को दिया है। यह काम दो महीने पहले शुरू हुआ था। 3 वार्डों को सात बैचों में सौंपा जा चुका है। शेष 4 वार्डों की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। 3 वार्डों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। अतिरिक्त आयुक्त हर्षल गायकवाड़ ने बताया कि इसके तहत 1,300 टन कचरा एकत्र किया गया है।

वर्तमान में, तीन वार्डों में तीन सत्रों में कचरा एकत्र किया जा रहा है। इसकी जानकारी नागरिकों को दे दी गई है। ठेकेदार कंपनी की टीम घर-घर जाकर गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने के बारे में जागरूकता पैदा कर रही है। कचरा संग्रहण ट्रकों पर स्पीकर सिस्टम लगाने का काम भी अंतिम चरण में है। कुछ जगहों पर पूरी तरह से सफाई होने के बाद भी लोग कचरा फेंकते रहते हैं। उन जगहों पर अस्थायी रूप से कॉम्पैक्टर कंटेनर रखे गए हैं। इसे नागरिकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। जुलाई के अंत तक चार अन्य वार्डों में भी काम शुरू हो जाएगा।

रामदास आठवले ने ताजा की 'पैंथर' की यादें

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री रामदास आठवले हमेशा ही राजनीति और सामाजिक कार्यों पर अपनी कविताएँ सुनाते हैं। ठीक इसी तरह घाटकोपर में आयोजित एक कार्यक्रम में, उन्होंने'दलित पैंथर' की यादों को ताजा करते हुए प्रासंगिक कविता सुनाकर लोगों का दिल जीत लिया। मौका था पैंथर से आज तक आठवले के सहयोगी डीएम चव्हाण के अमृत महोत्सव जन्मदिन समारोह का। इस अवसर पर आठवले ने बताया कि 'दलित पैंथर' संगठन समाज के लिए कितना महत्वपूर्ण था इस बारे में चर्चा की। बता दें कि घाटकोपर पूर्व के झवेरबेन पोपटलाल सभागृह में आर पी आई के नेता डी.एम. चव्हाण का ७५ वा अमृत महोत्सव जन्मदिन समारोह रामदास आठवले के हाथों केक काटकर मनाया गया। इस अवसर पर आठवले की पत्नी सीमाताई आठवले के साथ-साथ रिपब्लिकन नेता गौतम सोनवणे, मुंबई प्रदेश अध्यक्ष सिद्धार्थ कसारे, जयंतीभाई गडा और पार्टी के कई अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर दादासाहेब यादव, अरुण वाघ, जीवन भालेराव, कुणाल तुरेराव द्वारा संपादित चव्हाण पर एक विशेषांक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, आठवले ने पैंथर युग के दौरान सामाजिक मुद्दों पर उठाए गए आंदोलनों, मोर्चेऔर सामाजिक प्रश्नों पर किए गए आंदोलन को याद किया। गौतम सोनवणे ने पैंथर आंदोलन की शुरूआत का एक ग्राफ भी प्रस्तुत किया। इस बीच अपने स्वागत समारोह पर बोलते हुए डीएम चव्हाण ने कहा कि दलित पैंथर आंदोलन चरम पर था। इसलिए, सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ना अक्सर आवश्यक होता था। हालाँकि आज स्थिति बदल गई है, लेकिन समाज पर अन्याय अभी भी कुछ हद तक पहले की तरह दिखाई देता है। कार्यक्रम का संचालन संदीप धम्मरक्षित ने किया।

श्रावण मास का तीसरा मास परायण रामायण संपन्न

ठाणे(उत्तरशक्ति)। शिव सेवा श्रावण मास पारायण मंडल द्वारा आयोजित श्रावण मास परायण रामायण का तीसरा मास परायण रामायण रविवार को को दिवा पूर्व स्थित नारायण कॉम्प्लेक्स में लक्ष्मीकांत मिश्रा के यहां सम्पन्न हुआ। इसके साथ ही आरती आदि के बाद भक्तों को प्रसाद भी वितरण किया गया। मालूम हो कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शिवसेवा श्रावण मास परायण रामायण द्वारा मास परायण रामायण पाठ का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर देवा उपाध्याय, रंगा मिश्रा, संजय शुक्ला, सुशील पांडे, विनायक सिंह, अनुराग चौबे, मुकेश पांडे, अमित शुक्ला, के. के. शुक्ल , देवराज तिवारी, दरोगा तिवारी, गिरजा शंकर गुप्ता, अशोक दुबे, मनजीत सिंह चौहान, शिवकुमार दुबे, विजय मिश्र, अवधेश पाण्डेय, प्रेम श्रीवास्तव सहित आदि लोग पहुंचकर पाठ को पूर्ण करके प्रसाद का लाभ लिए। यह पुनीत कार्यक्रम 11 जुलाई से 9 अगस्त तक अनवरत 7 से रात 10 बजे तक जारी रहेगा। शिव सेवा श्रावण मास पारायण मंडल के अध्यक्ष व इस धार्मिक कार्यक्रम के प्रचारक सचिन चौबे ने नागरिकों से बड़ी संख्या में इस धार्मिक पुण्य कार्य में सहभागी होने की अपील की है। इस समय पूरा दिवा परिसर भक्ति मय हो गया है।

'द ओबीसीज अपराइजिंग' पुस्तक का लोकार्पण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हाल ही में एक नई पुस्तक, 'द ओबीसीज अपराइजिंगः अ न्यू नैरेटिव ऑन सोशल जस्टिस एंड पॉलिटिकल रिप्रेजेंटेशन' का लोकार्पण हुआ। इस पुस्तक के सह-लेखक मध्य प्रदेश के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख सचिव पी. नरहरि, आईएएस और उच्च न्यायालय के अधिवक्ता पृथ्वीराज सिंह हैं। यह कृति भारत में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की वकालत करती है, जो पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है।

'द ओबीसीज अपराइजिंग' हाल ही में प्रकाशित हुई है और इसके तेलुगु और अंग्रेजी संस्करण को पाठकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। प्रकाशक ने घोषणा की है कि यह पुस्तक जल्द ही भारत भर के सभी प्रमुख किताबों की दुकानों में उपलब्ध होगी।

यह पुस्तक अतीत और वर्तमान में ओबीसी के सामने आने वाली चुनौतियों का गहराई से विश्लेषण करती है। नौ अध्यायों में विभाजित, यह कोलोनियल पॉलिसीज के प्रभाव, आरक्षण की राजनीति के विकास और सर्वोच्च न्यायालय के विभिन्न निर्णयों और नीतिगत विकासों के कानूनी विश्लेषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल करती है। पुस्तक की एक प्रमुख विशेषता ओबीसी घोषणापत्र है, जो एक विस्तृत पालिसी चार्टर है जिसमें समुदाय के प्रतिनिधित्व, शिक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण की विशिष्ट माँगों को रेखांकित किया गया है।

इस पुस्तक का लोकार्पण 'महागाथा' मंच द्वारा किया गया। महागाथा का मानना है कि यह पुस्तक सामाजिक जागरूकता और परिवर्तन के लिए एक सशक्त माध्यम के रूप में कार्य करेगी, जो वैदिक ज्ञान को समकालीन मुद्दों के साथ एकीकृत करने के उनके मिशन के अनुरूप है।

लेखकों के पास इस कार्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टिकोण है। पी. नरहरि ने कहा, यह पुस्तक पाँच वर्षों के गहन शोध और सहयोग का परिणाम है, जो ओबीसी आख्यान के व्यापक अन्वेषण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को स्पष्ट करती है। सह-लेखक पृथ्वीराज सिंह ने कहा, हमारा मानना है कि यह पुस्तक एक कार्यवाही का आह्वान है—ऐतिहासिक अन्यायों को दूर करने और भारत के लिए एक सच्चे समावेशी भविष्य की कल्पना करने हेतु एक सावधानीपूर्वक तैयार किया गया उपकरण। इसी कड़ी में, पं. नरहरि और आध्यात्मिक दार्शनिक देवऋषि की बहुप्रतीक्षित पुस्तक 'शकारि - विक्रमादित्य' भी जल्द ही प्रकाशित होने वाली है। यह पुस्तक महान भारतीय सम्राट विक्रमादित्य के जीवन और पराक्रम पर आधारित एक ऐतिहासिक गाथा है। यह पुस्तक भी 'महागाथा' द्वारा प्रकाशित की जा रही है और शीघ्र ही उपलब्ध होगी। 'ओबीसी विद्रोह' एक ऐसे संवाद को बढ़ावा देने की आशा करता है जिससे भारत में सभी नागरिकों के लिए अधिक न्यायसंगत और समतापूर्ण समाज का निर्माण हो सके।

शिवुड नेरुल नवी मुंबई में महारुद्राभिषेक संपन्न

नवीं मुंबई (उत्तरशक्ति)। शिवुड नेरुल नवीं मुंबई में पवित्र श्रावण के पहले सोमवार के अवसर पर हुआ रुद्राभिषेक भजन, श्रृंगार, दर्शन,महाप्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ.राजेश पाटिल, युवा मोर्चा नवी मुंबई से निनाद होनेरोव, एडवोकेट उत्कर्ष उपाध्याय,गौरव महात्रे, एडवोकेट हर्षित,योगेश,सर्वेश, आकांक्षा,सत्यम पांडे,समाज सेवक अजय मिश्रा सहित तमाम भक्तों का लगा रहा मेला और कार्यक्रम संयोजक महाराष्ट्र भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा प्रदेश सचिव विनोद अमरनाथ उपाध्याय के संयोजकता में कार्यक्रम संपन्न हुआ तथा उपस्थित तमाम शिव भक्तों द्वारा हर हर महादेव के उदघोष से पूरा परिसर गुंजायमान हो उठा।

काशी विश्वनाथ कावड़ यात्रा संघ द्वारा कावड़ यात्रा का भव्य आयोजन

पालघर(उत्तरशक्ति)। सावन मास के प्रथम सोमवार, दिनांक 14 जुलाई 2025 को काशी विश्वनाथ कावड़ यात्रा संघ की ओर से सूर्या नदी से काशी विश्वनाथ मंदिर तक एक भव्य एवं दिव्य कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। यह यात्रा धार्मिक श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक समरसता का एक अद्वितीय उदाहरण बनी।

कावड़ यात्रा की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पंडित सत्य नारायण पाठक द्वारा संपन्न की गई। शुभारंभ समारोह में केवट सामाजिक सेवा फाउंडेशन एवं काशी विश्वनाथ कावड़ यात्रा संघ के अध्यक्ष तथा शिव मंदिर शीतला माता मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष तुलसीराम केवट ने नारियल फोड़कर यात्रा का विधिवत उद्घाटन किया। इस दिव्य आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और सामाजिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। कांवड़ यात्रा में प्रमुख रूप से विश्व हिंदू परिषद के एस.पी. सिंह, उद्योजक गिरजेश सिंह, बजरंग दल के फायर ब्रांड वक्ता मनोज मिश्र, धर्मावलंबियों में सुरेश दुबे, अखिलेश पाण्डेय, उदयराज शुक्ला, गणेश राणा, विकास शुक्ला, शिवलाल गुप्ता आदि ने कावड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए सभी को शुभकामनाएं दीं। इस कावड़ यात्रा में राजीव रंजन सिंह, आनंद परडवाल, धर्मेंद्र शाह, बृजलाल सरोज, आनंद महतो, सूर्य नारायण चौधरी, संजय मास्टर, केशव यादव, मूरत सिंह, गणेश चौहान, राजू पाठक, राजू यादव, विनय पाण्डेय, राजू सिंह, शिवाजी कदम, सर्वेश सिंह, प्रतिमा सिंह, बिंदु बिंद, बिंदु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं शामिल रहीं। करीब 10 किलोमीटर तक चली कावड़ यात्रा के दौरान हर-हर महादेव के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। श्रद्धालुओं की सेवा और व्यवस्था में स्थानीय संगठनों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। यात्रा पूरी तरह शांतिपूर्ण और भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुई। कावड़ यात्रा के सकुशल संपन्न होने पर कावड़ यात्रा संघ अध्यक्ष ने सभी लोगों के प्रति आभार जताया।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जौनपुर में प्रेमी ने अपनी महबूबा की चाकू मारकर किया हत्या

महबूबा पांच बच्चों की थी मां, पति की लॉकडाउन में हो चुकी है मृत्यु

रियाजुल हक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रेम प्रपंच में बेवा महिला की चाकू मार कर हत्या। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के बल्लौच टोला मोहल्ले की है। मोहल्ले में किराए पर रहने वाले एक व्यक्ति ने पांच बच्चों की मां सीमा अंसारी बेवा की चाकू मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पड़ोसियों ने जिला अस्पताल पहुंचाया लेकिन डॉक्टर ने मृत घोषित कर किया।

शहर कोतवाली जौनपुर थाना क्षेत्र के बलोच टोला सिपाह के नजदीक मोहल्ले में मोहब्बत में अंधे बने एक व्यक्ति के चलते एक दिल दहला देने वाली घटना घटी है सोमवार की शाम एक माशूक ने विवाद के दौरान अपनी एक बेवा माशूका को चाकू से गोदकर मौत के घाट उतार दिया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। रियाजुल हक के अनुसार, मरहूमा शकीमुन निशा उर्फ सीमा बल्लौच टोला की रहने वाली थीं और मरहूम शहाबुद्दीन की पत्नी है। अपने मियां की मौत के कुछ समय बाद ही सीमा का मोहल्ले में ही किराए पर रहने आए एक व्यक्ति रुस्तम से इश्क हो गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि दोनों के बीच अक्सर विवाद होते रहते थे। लेकिन हर बार मामला सुलझ जाता था। सोमवार की शाम करीब 8 बजे दोनों के बीच फिर किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते उग्र रूप में बदल गई। गुस्से में आए रुस्तम ने सीमा पर चाकुओं से हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। अगल बगल के लोग तुरंत उसे जिला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने उसे मरा हुआ घोषित कर दिया।

अब ऐसे में सवाल उठता है कि जिस समाज में हम रहते हैं वहां अकाल बकल होने वाली इस प्रकार की घटनाओं पर देखने के बाद स्थानीय लोग चुप्पी सेट रहते हैं। जिससे उनका मन बढ़ता जाता है और वह एक दिन घातक हो जाती पांच बच्चों की मां को साथ जब स्थानीय लोगों ने इस तरीके का माहौल देखा था तो क्यों नहीं शुरू में ही इस पर रोक लगाने की कोशिश की गई। जिससे आज एक जान बच सकती थी।

उक्त घटना के सम्बन्ध में क्षेत्राधिकारी नगर, देवेश सिंह ने बताया कि महिला को चाकू मारकर हत्या करने के सम्बन्ध में पुलिस तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपी रुस्तम की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है।

विधवा प्रेमिका (फाइल फोटो)

करंट लगने से बीटेक छात्र की दर्दनाक मौत, परिवार में मचा कोहराम

सुशील गुप्ता

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिंदगी के सुनहरे सपनों को आंखों में बसाए एक होनहार छात्र की करंट की चपेट में आकर दर्दनाक मौत हो गई। इस हृदयविदारक घटना ने न केवल परिवार को गहरे शोक में डुबो दिया। बल्कि पूरे मोहल्ले में मातम का माहौल बना दिया।

लाइन बाजार थाना क्षेत्र के हुसैनाबाद निवासी स्व. राजकुमार यादव का इकलौता बेटा सुधांशु यादव (22) कानपुर स्थित अपोलो इंजीनियरिंग कॉलेज में कंप्यूटर साइंस शाखा का अंतिम वर्ष का छात्र था। मंगलवार की सुबह करीब सात बजे वह अपने घर के बाहर टुल्लू पम्प चलाने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक बिजली के करंट की चपेट में आ गया। परिवार के लोगों ने शोर सुनकर दौड़ते हुए उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बेटे की मौत की खबर सुनकर मां बेसुध होकर गिर पड़ीं। रिश्तेदारों और पड़ोसियों की आंखें नम हो गईं। सुधांशु एक मेधावी छात्र था और उसका सपना था कि पढ़ाई पूरी कर-के एक अच्छा इंजीनियर बनकर अपने परिवार का सहारा बने। पिता के निधन के बाद वही घर की उम्मीद था। सुधांशु की असमय मौत ने परिवार की सारी खुशियों को पलभर में छीन लिया। लोगों का कहना है कि वह बेहद मिलनसार, समझदार और जिम्मेदार युवक था। उसकी असमय मौत ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। अंतिम दर्शन के लिए लोगों का तांता लगा रहा। इस हादसे ने एक बार फिर यह सोचने को मजबूर कर दिया है कि बिजली से जुड़े उपकरणों के इस्तेमाल में थोड़ी सी लापरवाही भी कितनी जानलेवा साबित हो सकती है।

लेखपाल संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

धर्मेंद्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। हापुड़ में लेखपाल की मृत्यु के बाद तहसील लेखपाल संघ ने उपजिलाधिकारी डॉ.योगिता सिंह को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ के अध्यक्ष लालचंद पांडेय द्वारा लेखपाल सुभाष मीणा की मृत्यु जिलाधिकारी के कथित दमनात्मक व्यवहार और उत्पीड़नात्मक कार्रवाई के कारण का आरोप लगाते हुए कहा कि अधिकारी मीडिया में पब्लिसिटी पाने के लिए, सार्वजनिक बैठकों में अधीनस्थ कर्मचारियों का अपमान करते हैं। इससे कर्मचारी तनाव और डिप्रेशन में काम कर रहे हैं संघ ने चार प्रमुख मांगें रखी हैं। मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता और उनके आश्रित को योग्यतानुसार सरकारी नौकरी दी जाए। घटना की जांच रिपोर्ट जल्द जारी कर दोषियों पर कार्रवाई की जाए साथ ही अधिकारियों को अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करने के निर्देश दिए जाएं। मुख्य सचिव के आदेश के अनुसार, सभी स्तर के अधिकारियों को हर महीने कर्मचारी संगठनों के साथ बैठक कर समस्याओं का समाधान करना चाहिए। लेखपाल संघ ने इन आदेशों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की है। इस मौके पर लेखपाल संघ बदलापुर के अध्यक्ष लालचंद पांडेय, संदीप श्रीवास्तव, घनश्याम पटेल, मनीष मौर्य सहित अन्य लेखपालगण मौजूद रहे।

प्रदेश अध्यक्ष सहित पार्टी के 10 नेताओं पर दर्ज मुकदमे तत्काल वापस लिये जायें: राजेश गौतम

◆ सड़क से लेकर संसद तक होगा बड़ा आन्दोलन

केराकत, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समेत पार्टी के 10 नेताओं पर वाराणसी में जनहित के मुद्दे को लेकर मंगलवार को केराकत के सिहौली चौराहा पर स्थित कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर केराकत विधानसभा 372 से कांग्रेस के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेश गौतम ने एक प्रेस वार्ता किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष समेत अन्य नेताओं पर दर्ज हुए फर्जी मुकदमे तत्काल वापस लिये जाएं। वर्ना कांग्रेस के बड़े स्तन पर आन्दोलन करेगी। राजेश गौतम ने कहा कि सनातन धर्म में काशी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण अस्थान है। यह ऐसा पवित्र अस्थान है जो प्रदेश ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण देशवासियों की आस्था विश्वास का प्रतीक है। काशी जैसे धार्मिक मान्यता वाले शहर में आम जनता मूल भूल सुविधाओं के लिए तरस रही है। समान्य दिनों को छोड़िये सावन के इस पवित्र मास में भी श्रद्धालुओं की सुविधा का कोई इन्तेजाम नहीं किया गया है।

भाजपा की डबल इंजन सरकार फर्जी विकास का ढिंढोरा पीटती है और सिर्फ लुभावने नारे तक सिमित है जनप्रतिनिधियों द्वारा आम जनता की तकलीफों की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने पर दमनात्मक कार्यवाही करते हुए फर्जी मुकदमा दर्ज करवाकर लोकतंत्र को कुचलने का काम किया जा रहा है। बीते 10 जुलाई को हमारे प्रदेश अध्यक्ष जी के नेतृत्व में वाराणसी के जिला एवं शहर अध्यक्ष सहित 10 कांग्रेसजनों के खिलाफ दर्ज कराया गया मुकदमा फर्जी है। मैं प्रदेश सरकार के इस अन्यायपूर्ण और अलोकतांत्रिक कार्यवाही का प्रतिकार कर मुकदमा वापस लेने की मांग करता हूं।

वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन, प्रकृति संरक्षण की ओर एक कदम

गुड़िया राज, केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व माध्यमिक विद्यालय तराव में शनिवार को एक विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया

गया। इस कार्यक्रम की अगुवाई विद्यालय की इंचार्ज शीला कुमारी ने की। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह पहल स्थानीय स्तर पर सराहनीय प्रयास मानी जा रही है। इस अवसर पर विद्यालय के सहायक अध्यापक प्रकाश, महेंद्र राम, हरिश्चंद्र, रविंद्र कुमार, ओमप्रकाश सहित अन्य शिक्षकों और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। सभी ने मिलकर विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के छायादार और फलदार वृक्ष लगाए। शीला कुमारी ने बताया कि वृक्षारोपण केवल एक प्रतीकात्मक कार्य नहीं है, बल्कि यह भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वातावरण और हरित भविष्य की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने सभी शिक्षकों और छात्रों से आग्रह किया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना था, बल्कि छात्रों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदार बनाने की दिशा में भी एक प्रेरणा देना था।

पीयू में कड़े सुरक्षा के बीच संपन्न हुई पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मंगलवार को 49 विषयों में शोध

के लिए पीएच.डी. प्रवेश परीक्षा हुई। प्रवेश परीक्षा के लिए परिसर में 8 केंद्र बनाए गए थे जिसमें प्रथम पाली में एवं द्वितीय पाली में 2711 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने अधिकारियों के साथ परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। विश्वविद्यालय में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच प्रवेश परीक्षा संपन्न हुई। प्रवेश परीक्षा की सीसीटीवी से मॉनिटरिंग की गई। प्रत्येक केंद्र पर पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर पारदर्शी एवं निष्पक्ष परीक्षा सुनिश्चित की गई। प्रथम पाली में शोध प्राविधि एवं द्वितीय पाली में सम्बंधित विषय की परीक्षा थी।

कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इंजीनियरिंग संस्थान ब्लॉक ए एवं ब्लॉक 2, फामेसी संस्थान, प्रबंधन अध्ययन संस्थान, प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया संस्थान, संकाय भवन, केंद्रीय मूल्यांकन केंद्र एवं दत्तोपंत ठेंगड़ी विधि संस्थान में प्रवेश परीक्षा के लिए केंद्र बनाए गए थे। सम्पूर्ण प्रवेश परीक्षा सफलतापूर्वक सुचिता के साथ संपन्न हुई है। पहली पाली में प्रातः 10.30 बजे से 12.30 बजे तक तथा दूसरी पाली में 2.00 से 4.00 बजे के मध्य परीक्षा हुई। परीक्षा के सफल आयोजन में प्रवेश परीक्षा के समन्वयक प्रो.गिरिधर मिश्र, उप कुलसचिव अजीत सिंह, बबीता सिंह, प्रो. अजय प्रताप सिंह,प्रो. मनोज मिश्रा, प्रो. अजय द्विवेदी, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. मिथिलेश सिंह, प्रो. रवि प्रकाश, प्रो. राजकुमार, प्रो. संतोष कुमार, डॉ. धीरेंद्र कुमार चौधरी समेत अन्य शिक्षक एवं कर्मचारी सम्मिलित रहे।

चन्दवक पुलिस ने एक्सीडेंन्ट करने वाले ट्रक चालक को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आज दिनांक 15.7.2025 को समय करीब 11.00 बजे दिशा वर्मा पुत्री प्रमोद वर्मा नि0 जमुनीबारी थाना चंदवक जौनपुर स्कूल से पढकर वापस अपने घर जा रही थी। जैसे ही बगेरवा नारे के पास पहुँची तो ट्रक संख्या यूपी0 65 एचटी 4377 के चालक रामपलट यादव पुत्र रामसूरत यादव नि0 गोला थाना चोलापुर जनपद वाराणसी द्वारा तेजी व लापरवाही पूर्वक ट्रक चलाकर धक्का मार दिया। जिससे मौके पर पर दिशा वर्मा उम्री करीब 14 वर्ष की मृत्यु हो गयी। जिसके सम्बन्ध मे थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 219/2025 धारा 281/106(1) बीएनएस बनाम ट्रक चालक रामपलट यादव पुत्र रामसूरत यादव नि0 गोला थाना चोलापुर जनपद वाराणसी पंजीकृत किया गया। आवश्यक विधिक कार्यावाही की जा रही है।

हज-2026 के आवेदन हेतु हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा 7 जुलाई 2025 से ऑनलाइन आवेदन किये जाने की घोषणा

जौनपुर (उत्तरशक्ति) । उत्तर प्रदेश राज्य हज समिति मौलाना अली मियां मेमोरियल हज हाउस, सरोजनीनगर, लखनऊ द्वारा अवगत कराया गया है कि हज-2026 के आवेदन हेतु हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई द्वारा 07 जुलाई 2025 से ऑनलाइन आवेदन किये जाने के सम्बन्ध में घोषणा की जा चुकी है। विगत वर्षो की भांति जिला स्तर पर हज ई-सुविधा केन्द्र स्थापित किये जाने हेतु निर्देश प्राप्त हुये है। ऑनलाइन आवेदन करने की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 है। आवेदन के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिये गये है जिसके अनुसार पासपोर्ट मशीन पठित होना चाहिए, हस्तलिखित मान्य नही होगा तथा आवेदन की अन्तिम तिथि 31 जुलाई 2025 या उससे पूर्व का हो, जिसकी वैद्यता तिथि 31 दिसम्बर 2026 तक होना अनिवार्य है। हज-2026 हेतु सामान्य 40 दिवस की यात्रा के अतिरिक्त छोटी 20 दिवसीय हज यात्रा हेतु आवेदन करने का विकल्प रखा गया है जिसमें क्रम सीटे उपलब्ध है एवं व्यय अधिक होने की सम्भावना है, तथा ऐसा विकल्प चयनित करने वालो हेतु केवल सात उड़ान स्थल निर्धारित है। (अहमदाबाद, बैंगलोर, चेन्नई, कोच्चिन, दिल्ली, हैदराबाद व मुम्बई) सामान्य यात्रा हेतु निर्धारित शर्ते हज 2025 की भांति ही रहेगी। ऑनलाइन आवेदन करते समय पासपोर्ट साइज फोटो, पासपोर्ट का प्रथम पृष्ठ, ऐड्रेस प्रुफ, बैंक खाते का विवरण जिसमें कैंसल्ड चेक अथवा बैंक पासबुक की प्रति भी आवेदनकर्ता को अपलोड करनी होगी। विस्तृत दिशा-निर्देश हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई की वेबसाइट https://www.hajcommittee.in उ0प्र0 हज समिति की वेबसाइट https://www.hajcommittee.up.gov.in पर उपलब्ध है। फार्म भरने से पूर्व इसका अवलोकन आवश्य कर लें।

हज कमेटी ऑफ इण्डिया, मुम्बई ने हज सत्र-2025 हेतु लखनऊ हवाई अड्डे से जाने वाले हज यात्रियों से रू0 3,37,350 व दिल्ली से रू0 3,27,400 की धनराशि कुल हज खर्च के रूप में जमा करायी गयी थी। हज-2026 हेतु अधिकतम 05 लोग एक साथ आवेदन कर सकते है परन्तु सभी आवेदनकर्ता एक ही श्रेणी का होना एवं स्वयं का मोबाइल नम्बर अंकित करना आवश्यक होगा। बिना मेहरम श्रेणी में 65 वर्ष व 65 वर्ष से अधिक की महिलायें भी Ladies Without Mehram Category में आवेदन कर सकती है। ऑनलाइन आवेदन उपरान्त आवेदन फार्म का प्रिन्टआउट डाउनलोड करना होगा एवं उसे उ0प्र0 राज्य हज समिति को उपलब्ध कराना होगा।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर में परेड ग्राउंड पर ली परेड की सलामी

जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए कराया गया ड्रिल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा मंगलवार परेड की सलामी लेकर किया गया निरीक्षण तथा पुलिस कर्मियों को शारिरिक व मानसिक रुप से फिट रहने के लिए लगवाई गयी दौड़ एवं कराया गया ड्रिल, आयुष श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर द्वारा पुलिस लाइन जौनपुर परेड ग्राउंड पर मंगलवार की परेड की सलामी लेकर परेड का निरीक्षण किया गया, तत्पश्चात जवानों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए ड्रिल कराया गया। परेड के उपरान्त विभिन्न शाखाओं यथा शस्त्रागार, जीपी स्टोर, पुलिस अस्पताल, कैन्टीन, पुलिस लाइन परिसर में भ्रमण कर साफ सफाई इत्यादि का निरीक्षण किया गया। आदेश कक्ष में कर्मचारियों का ओ.आर. किया गया तथा अभिलेखों का अवलोकन कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

क्लोरिन गैस से लदा ट्रेलर मारकुंडी घाटी में पलटा, बड़ा हादसा होते होते टला

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत मारकुंडी घाटी में मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा होते होते

टल गया। क्लोरिन गैस से लदा एक ट्रेलर वाहन घाटी के दूसरे मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गया। गनीमत इस बात की रही दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। जबकि चालक और खलासी बाल-बाल बच गए। ट्रक चालक सर्वदीन पुत्र सहजार, निवासी नागझपुर थाना रामगढ़, जनपद अलवर (राजस्थान) ने बताया कि वह रेनुकूट से क्लोरिन गैस की 25 टनल लेकर भीवानी, राजस्थान जा रहा था। इसी दौरान मारकुंडी घाटी के तीखे मोड़ पर वाहन असंतुलित होकर पलट गया। हादसे की सूचना मिलते ही जिला अग्निशमन अधिकारी करण सिंह यादव व गुरमा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर क्लोरिन गैस के टनल को हटाने की कार्यवाही तत्काल शुरू कर दी गई। तत्परता से कार्रवाई के चलते यातायात व्यवस्था प्रभावित नहीं हुई और मार्ग सुचारु रूप से चालू रहा।

जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीकरण के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए बताया कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के पंजीकरण हेतु पोर्टल बनाया गया है। जिससे समय से जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत किया जा सके। उन्होंने कहा कि जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र के ससमय पंजीकरण से लाभार्थी को समय से योजनाओं का लाभ मिल सकेगा जिसके लिए शासन प्रशासन के द्वारा हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी और जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया कि जन्म और मृत्यु के पंजीकरण में सघनता से पर्यवेक्षण करें। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रयास किया जा रहा है कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलम्ब न हो।

जिलाधिकारी के द्वारा कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में टीबी से सम्बन्धित आयोजित कार्यशाला में भी प्रतिभाग किया गया। कार्यशाला में सीएचओ को सामान्य टीबी रोगियों के दवाओं, प्रचार, प्रबंधन और टीबी के मरीजों के क्लोज कान्टैक्ट वालों की जांच आदि के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में जिलाधिकारी ने सीएचओ से गर्भवती महिलाओं के पंजीकरण से डिलीवरी तक मिलने वाले लाभों, स्वास्थ्य प्रकियाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। जिलाधिकारी ने वीएचएनडी सत्र के उद्देश्य आदि के सन्दर्भ में जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि सभी सीएचओ वीएचएनडी सत्र में अनिवार्य रूप से प्रतिभाग करें और ईमानदारी से कार्य करते हुए अपने कर्तव्यों का शत-प्रतिशत निर्वहन करें। सैम और मैम बच्चों का चिन्हाकंन करते हुए उन्हें कुपोषण से बाहर लाने का कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि शासन के द्वारा अपेक्षित कार्यो को ससमय पूरा करें और जन समुदाय को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने कहा कि जनपद में वर्तमान में आयुष्मान कार्ड बनाने की गति धीमी हो गयी जिसे बढ़ाने के प्रयास किये जाए, जिससे सभी पात्र लोगों को आयुष्मान कार्ड का लाभ मिल सके। उन्होंने जानकारी ली कि आयुष्मान कार्ड से अभी तक कितने मरीजों को लाभ प्राप्त हुए है। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 लक्ष्मी सिंह, डीआइओ नरेन्द्र सिंह, डीटीओ डा0 विशाल सिंह यादव, सलिल यादव सहित अन्य उपस्थित रहे।

खेतासराय पुलिस ने तमंचा व एक कारतूस के साथ आरोपी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थानाध्यक्ष खेतासराय के नेतृत्व में थाना खेतासराय पुलिस टीम द्वारा मुखबीर की सूचना के आधार पर एक आरोपी मंगला सिंह गौतम पुत्र श्रवन कुमार निवासी कनवरिया थाना खेतासराय जिला जौनपुर को 01 तमंचा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस के साथ दिनांक 15.07.2025 को कच्ची सडक लेदरही से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। मु0अ0सं0-134/2025 धारा 3/25 आर्मस एक्ट थाना खेतासराय जिला जौनपुर।

बीजपुर थाने के पास सड़क और पुलिया दुर्घटना को दे रही दावत

कभी भी हो सकती है अनहोनी, समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो

सोनभद्र (उत्तर शक्ति)। बकरिहवा बीजपुर सड़क मार्ग पर वैसे तो कई पुलिया अंतिम सांस ले रही है। कब और कहाँ की पुलिया बैठ जाएगी यह कहना जल्दबाजी होगा। क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा से बीजपुर थाना के पूरब तरफ लगभग 50 की मीटर दूरी पर बारिश के पानी का समुचित निकाशी न होने के कारण सड़क और पुलिया कट कर सिकुड़ गयी है। सड़क में सुरंग बनता जा रहा है। बताया जाता है कि 200 मीटर दूर बैढन मोड़ तक का बरसाती पानी सड़क पर बह कर इसी पुलिया के पास डंप होने से सड़क मार्ग कट कर सिकुड़ गया है। आसपास के रहिवासी किसी बड़ी दुर्घटना को देखते हुए खंदक बनी सड़क और पुलिया के पास झाड़ी रख दिए है। लेकिन विभाग द्वारा यहाँ कोई सांकेतिक बोर्ड आदि नही लगाया गया है। बारिश से सड़क की हालत ऐसे होती जा रही है कि आयेदिन लोग गड्ढो में गिर रहे हैं। बकरिहवा बीजपुर मार्ग खून की प्यासी हो गयी है। गड्ढा भरने के नाम पर जगह जगह सड़क के बीचों बीच गिराई गयी भस्सी और सोलिंग के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई है। लापरवाह ठेकेदार और गैरजिम्मेदार विभाग के अधिकारी कान में तेल डाल कर सो रहे है। तो भारी भरकम हर माह वेतन उठाने वाले पीडब्ल्यूडी मेठ और लेबर टीम का अता पता नही है। इस बाबत जेई लोक निर्माण को फोन किया गया लेकिन उन्होंने कोई जबाब नही दिया।

कमांड सेंटर प्रभारी राजेश सिंह ने वियतनाम निवासी पर्यटक का पासपोर्ट कैमरे की मदद से ढूढ़कर किया सुपुर्द

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में वियतनाम निवासी जो वाराणसी मण्डुवाडीह स्टेशन से सारनाथ के लिये आटो मे बैठे जिसमें उनका पासपोर्ट व जरुरी सामान था जो आटो में ही छूट गया। नोडल कमाण्ड सेन्टर सिगरा के कुशल नेतृत्व में कमांड सेन्टर सिगरा में नियुक्त प्रभारी राजेश सिंह,टीम के द्वारा 01 घण्टा के अन्दर मण्डुवाडीह स्टेशन से सारनाथ के बीच लगे दर्जनों लोकेशन कैमरों व ए.एन.पी.आर. की मदद से आटो की पहचान किया गया एवं बैग में जो भी सामान था बरामद कर आवेदक को सुपुर्द किया गया आवेदक द्वारा खुशी जाहिर करते हुए वाराणसी पुलिस व कमांड सेन्टर टीम का काफी प्रशंसा किया।

रोहनिया थाना क्षेत्र के अमरा खैरा चक गांव में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में अधिवक्ता राकेश कुमार सिंह की पत्नी प्रीति सिंह की जमीन पर कब्जा करने आए बिहार के कुछ लोग सहित गाड़ियों के साथ पहुंचे। प्रीति सिंह के साथ की मारपीट साड़ी खींचकर उन्हें जमीन पर गिरा दिया गया। जिससे उन्हें चोटें आईं।

प्रीति सिंह ने डायल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी, जिससे मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को संभाला लिया। पीड़िता का आरोप है कि जब अखरी चौकी इंचार्ज को घटना की जानकारी दी गई, तो उन्होंने मदद करने से इनकार किया।फिलहाल अमरा चौकी में दोनों पक्ष मौजूद हैं। मामला भूमि विवाद से जुड़ा है, और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाराणसी में चेतावनी बिंदु के करीब पहुंचा गंगा का जलस्तर, आस-पास के इलाकों में खतरा बढ़ा

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद में गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही है। मंगलवार को 4 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से जलस्तर में वृद्धि रिकॉर्ड की गई। जलस्तर 68.42 मीटर पर पहुंच गया है ।जो चेतावनी बिंदु से महज दो मीटर नीचे है। ऐसे में तटवर्ती इलाकों में खतरा बढ़ने लगा है। जिला प्रशासन की ओर से किसी भी तरह की चुनौती से निबटने के लिए मुकम्मल इंतजाम किए गए हैं।

गंगा के जलस्तर में पिछले कई दिनों से वृद्धि का दौर जारी है। सोमवार को पांच सेंटीमीटर तो मंगलवार को 4 सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से जलस्तर में वृद्धि रिकॉर्ड की गई है। सुबह आठ बजे वाराणसी में गंगा का जलस्तर 68.42 मीटर रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी में गंगा का चेतावनी बिंदु 70.262 मीटर और खतरे का बिंदु 71.262 मीटर है। गंगा के जलस्तर में वृद्धि को लेकर प्रशासन अलर्ट है। केंद्रीय जल आयोग के साथ ही एनडीआरएफ और जल पुलिस नजर बनाए हुए है। लोगों को भी आगाह किया जा रहा है। जिला प्रशासन बाढ़ चौकियों और राहत शिविरों में तैयारी कर लिया गया है।

गौतस्करों के ठिकानों पर खेतासराय पुलिस की दबिश

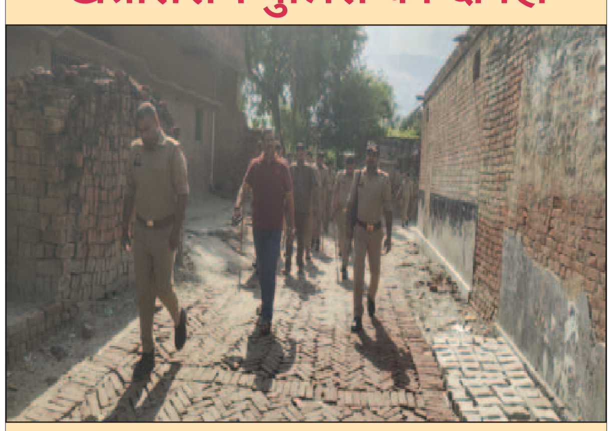

खेतासराय, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय पुलिस ने मंगलवार को रानीमऊ गांव में कुख्यात गौतस्करों के घर पर दबिश डाली। पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने अब्दुल सलाम उर्फ बिल्लर, दिलशाद और कलीम के घर पर भारी पुलिस बल के साथ दबिश दी, लेकिन अपराधी दस्तयाब नहीं हुए और फरार हैं। पुलिस अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है और उनकी गतिविधियों पर नजर रख रही है। इससे क्षेत्र में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। पुलिस आगे भी अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखेगी। अब्दुल सलाम उर्फ बिल्लर, दिलशाद और कलीम रानीमऊ के निवासी हैं इनपर गौतस्कारी और गैंगस्टर जैसे संगीन अपराधों में शामिल रहे हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयासरत है।

पंचायत अध्यक्षों के साथ बीएलए 2 के साथ जदयू ने की बैठक

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार के सिवान जिला अंतर्गत महाराजगंज निर्वाचन आयोग के राज्यव्यापी मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर महाराजगंज विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महाराजगंज प्रखंड के कसदेवरा बंगरा में जदयू के पंचायत अध्यक्षों एवं बूथ अध्यक्षों की समीक्षा बैठक की गई। अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष अयूब मियां ने की। बैठक में मतदाता पुनरीक्षण कार्य के स्थिति की समीक्षा हुई ,साथ हीं उसे और गति प्रदान करने हेतु एवं यथाशीघ्र बीएलए 2 का निर्माण करने हेतु पार्टी के नेताओं को निर्देश दिया गया। पूर्व विधायक सत्यदेव सिंह, जिला प्रभारी प्रमोद पटेल एवं जिलाध्यक्ष चंद्रकेतु सिंह ने जदयू द्वारा प्रदेश से नियुक्त प्रभारी पूर्व विधायक मंजीत सिंह का स्वागत किया। पूर्व विधायक मंजीत सिंह ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण कार्य पूरे बिहार में चल रहा है. विपक्ष के कुछ नेता लोगों का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं।जदयू के कार्यकर्ताओं को सभी मतदाताओं को जागरूक करना है ।अगर किसी साथी का नाम वोटर लिस्ट में नहीं जुड़ा है तो उनका नाम जुड़वाना है।

पूर्व विधायक सत्यदेव प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि विपक्ष के नेता इस अभियान को लेकर भ्रम फैला रहे हैं। विपक्ष आज मुद्दा विहीन हो गया है। विपक्ष द्वारा लोगों को गुमराह करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जदयू के द्वारा विगत दिनों में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए साइकिल रैली भी निकाली गई थी. जदयू के सभी पंचायत अध्यक्षों एवं बूथ अध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने पंचायतों एवं बूथों के मतदाताओं को जागरुक करें। जिन लोगों का नाम वोटर लिस्ट में किन्हीं कारणों से छूट गया है उनका नाम जुड़वाने का काम करें। मतदाता पुनरीक्षण अभियान पूर्व में भी चलाया गया था ।इस अभियान के तहत जिन लोगों का नाम छूट गया है, उनका जोड़ा जाएगा। जिन मतदाताओं की मृत्यु हो गई है उनका नाम हटाया जायेगा।विपक्ष के नेता केवल जनता को भ्रमित करने की राजनीति करने में लगे हैं। वो0अक्ष चुनाव में अपनी हार को देख कर भयभीत हैं।इसलिए तरह तरह के भ्रम फैला कर जनता को दिग्भ्रमित करना चाहते हैं।विपक्ष यह भ्रम फैला रहा है कि लोगों का नाम काट दिया जायेगा ।यह बिलकुल निराधार है।

जिला संगठन प्रभारी प्रमोद पटेल ने कहा कि सभी मतदाताओं को इस अभियान में शामिल होना चाहिए। जिनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है उनका नाम जुड़वाने का प्रयास होना चाहिए। विपक्ष इस लोकहित से जुड़े विषय को राजनीति के चश्मे से देख रहा है ।यह निंदनीय है एवं भ्रामक है। इस बैठक में पूर्व विधायक मंजीत सिंह, पूर्व विधायक सत्यदेव प्रसाद सिंह, जिला संगठन प्रभारी प्रमोद पटेल, जिलाध्यक्ष चंद्रकेतु सिंह, जिला प्रवक्ता निकेश चंद्र तिवारी, अमोद प्रियदर्शी, लक्ष्मणदेव पटेल, मनोज सिंह, राकेश श्रीवास्तव, परमेश्वर प्रसाद आदि मौजूद थे।

यूपी में तृतीय स्थान प्राप्त कर राहुल एजुकेशन के छात्र ने किया नाम रोशन

चंदौली। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राहुल एजुकेशन द्वारा संचालित पंडित रामअधार तिवारी पॉलिटेक्निक कॉलेज, महुअरकलां, चंदौली, (पूर्वांचल का एकमात्र एनबीए मान्यता प्राप्त संस्थान) के कंप्यूटर साइंस विभाग के मेधावी छात्र अनुराग पांडेय ने प्राविधिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित पॉलिटेक्निक परीक्षा में सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का नाम रोशन किया है। राहुल एजुकेशन के चेयरमैन लल्लन तिवारी ने अनुराग को मिली इस कामयाबी पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनकी कठिन मेहनत, निष्ठा और उत्कृष्टता ने न केवल हमारे कॉलेज को सम्मान दिलाया है, बल्कि अनगिनत विद्यार्थियों को ऊँचे लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने की प्रेरणा भी दी है। राहुल एजुकेशन के सचिव राहुल तिवारी, कॉलेज के निदेशक डॉ शशिभूषण तिवारी, प्रबंधक आनंद तिवारी तथा प्रिंसिपल संजय श्रीवास्तव ने भी अनुराग पांडे को बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

अमृता अस्पताल में बिना फेफड़ा निकाले हुआ दुर्लभ फेफड़ों के ट्यूमर का सफल इलाज

पटना (उत्तरशक्ति)। कई अस्पतालों से लौटाए जाने के बाद जब उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी थीं, तब बिहार के 58 वर्षीय हरि नारायण सिंह को अमृता अस्पताल, फरीदाबाद में जीवन की नई सांस मिली। यहां डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम ने एक जटिल और दुर्लभ एंडोब्रोंकियल कारसिनॉयड ट्यूमर को ऑपरेशन से हटाया वो भी बिना फेफड़ा निकाले। शुरूआती लक्षण जैसे कि सांस फूलना और सीटी चेस्ट में रुकावट, कई अस्पतालों में अस्थमा के रूप में गलत समझे गए। अंततः एक सीटी स्कैन में उनके एयरवे में ट्यूमर की पुष्टि हुई। यह ट्यूमर फेफड़ों के कुल कैंसर मामलों का सिर्फ 5 प्रतिशत हिस्सा होता है, और अक्सर देर से पहचान में आता है। इस केस की खासियत केवल इसका दुर्लभ ट्यूमर नहीं था, बल्कि यह था कि हम मरीज का पूरा फेफड़ा बचा पाए,ह्व कहा डॉ. समीर भाटे, सीनियर कंसल्टेंट और प्रमुख, कार्डियोथोरासिक सर्जरी, अमृता अस्पताल।

हमने पारंपरिक ऑपरेशन (प्लमनॉक्टॉमी) की जगह स्लीव रिसेक्शन तकनीक अपनाई, जिससे ट्यूमर को हटाने के साथ-साथ फेफड़ों की कार्यक्षमता भी सुरक्षित रही। इस जटिल सर्जरी को सफल बनाने में अमृता के पल्मोनोलॉजी विभाग की अहम भूमिका रही, जिसका नेतृत्व डॉ. अर्जुन खन्ना, डॉ. सौरभ पाहुजा और डॉ. प्रदीप बजाड़ ने किया। मरीज की ब्रोंकोस्कोपी और सटीक निदान ने सर्जरी को संभव बनाया। खुले ऑपरेशन तकनीक से की गई यह सर्जरी पूरी तरह सफल रही और मरीज को बिना किसी जटिलता के स्वस्थ होकर डिस्चार्ज कर दिया गया। मैंने तो कभी इस बीमारी का नाम भी नहीं सुना था,ह्वकहते हैं हरि नारायण सिंह। ह्वलेकिन डॉ. समीर भाटे और डॉ. पाहुजा ने मुझे बहुत सहजता से पूरी स्थिति समझाई। मुझे लगा मैं सबसे सुरक्षित हाथों में हूं। अमृता अस्पताल में यह केस एक मिसाल है कैसे दुर्लभ बीमारियों का भी समय पर निदान और विशेषज्ञ देखभाल से जीवन बचाया जा सकता है। अगर यह ट्यूमर समय रहते नहीं पकड़ा जाता, तो मरीज की सांस की नली में भारी रक्तस्राव जानलेवा हो सकता था, डॉ. भाटे ने कहा। हम चाहते हैं कि ऐसे मामलों में ग्रामीण क्षेत्रों से आए मरीजों को भी भरोसा और इलाज मिले। अमृता अस्पताल का यह प्रयास न केवल क्लिनिकल उत्कृष्टता का प्रमाण है, बल्कि यह उस भरोसे का भी प्रतीक है, जो हर मरीज यहां लेकर आता है एक आखिरी उम्मीद, जो यहां आकर हकीकत बन जाती है।

मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा हत्या के प्रयास में वांछित दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा हत्या के प्रयास के अभियोग में वांछित दो आरोपियों को किया गिरफ्तार।

प्रभारी निरीक्षक मछलीशहर के नेतृत्व में थाना मछलीशहर पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 215/25 धारा-191(2)/191(3)/115 (2)/352/351(3)/ 109(1) बी0एन0एस0 से संबंधित 02 वांछित आरोपीगण बबउ यादव पुत्र स्व0 मिठाईलाल निवासी अदारी थाना मीरंगज जौनपुर जौनपुर उम्र करीब -56 वर्ष, राजेश यादव पुत्र बबउ यादव निवासी अदारी थाना मीरगंज जौनपुर को मुखबीर की सूचना के आधार पर ताजुद्दीनपुर नहर पुलिया से आज 15.07.2025 समय करीब 05.40 बजे सुबह गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए चालान मा0 न्यायालय किया जा रहा है।

अमित दुबे ने पुलिस आयुक्त से राष्ट्रीय महामार्ग क्रमांक 8 पर हो रहे दुष्कृत्यो पर अंकुश लगाने का किया अपील

-प्रेम चंद मिश्रा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दहिसर चेकनाका से लेकर खानीवड़े टोल नाका विरार दरम्यान फाउंटेन होटल नाका, चिंचोटी चढान, तुंगारेश्वर नाका, वसई फाटा, नालासोपारा फाटा, पेल्हार फाटा, विरार फाटा, शिरसाड फाटा, खानीवड़े टोल नाका आदि स्थानों की सुनसान सड़कों पर तृतीय पंथी लोग और तृतीय पंथियों के नाम पर दुष्ट प्रवृत्ती की महिलाये खुलेआम वेश्यावृत्ति का धंधा करती हैं। इससे आम यात्रियों, खासकर अपने परिवार और छोटे बच्चों के साथ यात्रा करने वालों को इन सभी प्रवृत्तियों से काफी परेशानी होती है।

भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार ज़िला सचिव अमित ओमप्रकाश दुबे ने मीरा-भायंदर, वसई-विरार, के माननीय पुलिस आयुक्त निकेत कौशिक से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर अनुरोध किया है, कि तृतीयपंथि समुदाय की सहानुभूति का लाभ उठाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गंदी हरकतें करने वाली वेश्याओं और उनके नेताओं के विरुद्ध तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने माननीय अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री दत्ता शिंदेजी से इस मामले में तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण : फॉर्म जमा करने के बाद नहीं दी जा रही है पावती

सिवान (उत्तरशक्ति)। बिहार सिवान जिला अतर्गत महाराजगंज स्थानीय प्रखंड में 150 बूथों के 156 319 मतदाताओं का मतदाता पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें 311 बी एलओ प्लस सहायक कर्मी लगाए गए हैं। महाराजगंज, मंगलवार को उत्तर भारत समाचार पत्र की टीम ग्रामीण इलाकों व महाराजगंज अनुमंडल मुख्यालय में हो रहे ओन लाइन हो रहे मतदाता सूची स्थल का का भ्रम न किया .ग्रामीण क्षेत्र की हालात जानने की कोशिश की। इस दौरान पता चला कि चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार कहीं भी मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्य ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। एक तरफ बीएलओ ऊहापोह में हैं तो दूसरी ओर क्षेत्र के मतदाता भी असमंजस में हैं। मतदाताओं को यह समझ में नहीं आ रहा है कि कौन सा फॉर्म जमा करना है और कौन सा फॉर्म हमें अपने पास रखना है। इसके साथ ही चुनाव आयोग द्वारा बताए गए 11 दस्तावेजों की जानकारी भी मतदाताओं के पास नहीं है।

ऐसे में गहन मतदाता पुनरीक्षण अभियान सफल होता दिखाई नहीं दे रहा है। विभागीय सूत्रों के अनुसार महाराजगंज प्रखंड में 115 बूथों में 75 फीसदी अपलोडिंग का कार्य पूरा हो चुका है जबकि 80 प्रतिशत फॉर्म भी कलेक्ट कर लिया गया है। अधिकतर इलाकों में पावती रसीद नहीं दी जा रही है। कई बीएलओ ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हमलोग खुद ही नियमों के पेंच में उलझ कर रह जा रहे हैं।

बोली एसडीओः निर्धारित समय सीमा के अंदर मतदाता पुनरीक्षण का कार्य पूरा कर लिया जाएगा इसके लिए महाराजगंज क्षेत्र की सभी प्रखंडों की जांच चल रही है।

गंगा का उफान, वरुणा का पलट प्रवाह : बाढ़ की चपेट में काशी

सुरेश गांधी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। काशी में गंगा का रौद्र रूप जारी है। गंगा का जलस्तर प्रति घंटे 4 से 5 सेमी की रफ्तार से बढ़ रहा है और मंगलवार सुबह यह 69.74 मीटर तक पहुंच गया, जबकि खतरे का निशान 70.40 मीटर पर है। यदि यह रफ्तार बनी रही, तो अगले 24 घंटों में हालात और गंभीर हो सकते हैं। अस्सी से लेकर राजघाट तक स्थित घाट एक-दूसरे से पूरी तरह कट चुके हैं। सीढ़ियां गंगा में डूब चुकी हैं, जिससे घाटों का आपसी संपर्क समाप्त हो गया है। गंगा की यदि यही रफ्तार रही तो 36 घंटे में चेतावनी स्तर पार कर सकती है.

हरिश्चंद्र घाट पर शवदाह अब गलियों में हो रहा है, जबकि मणिकर्णिका घाट की छतों पर चिताएं जल रही हैं। नीचे की पूरी चबूतरी जलमग्न हो चुकी है। शव ले जाने वाले लोग चप्पलों से कीचड़ व गंगा के पानी में पैर डुबोते हुए घाटों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। लकड़ी की आपूर्ति बाधित हो गई है, जिससे परिजनों को काफी दिक्कतें आ रही हैं। घाट पुरोहितों का कहना है कि बाढ़ के चलते अंतिम संस्कार के लिए गलियों और छतों पर चिता सजानी पड़ रही है। गंगा अब भीतर तक घुस आई है। पिछले दो वर्षों में यह पहला मौका है जब गंगा का पानी दशाश्वमेध घाट स्थित जेल पुलिस चौकी तक पहुंच गया है। ह्यए बनारस मंचह्ल के पास हो रही गंगा आरती के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए बैरिकेडिंग की गई है। हर ओर पुलिस व होमगार्ड तैनात हैं। एनडीआरएफ की टीमें गंगा में मोटरबोट से लगातार गश्त कर रही हैं, वहीं पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं। एनडीआरएफ का कहना है कि घाटों से लेकर संभावित डूब क्षेत्रों में चौकसी रखी जा रही है। जरूरत पड़ी तो नावों और रिलीफ बोट्स की संख्या और बढ़ाई जाएगी।

गंगा के दबाव के कारण वरुणा नदी में पलट प्रवाह शुरू हो गया है, जिससे वरुणा पार, आदमपुर, सरैया, कोदई चौकी, नगवा, खजुरी, राजघाट और वरुणा संगम के इलाके जलमग्न हो गए हैं। घरों में पानी घुस चुका है, लोग अब जरूरी सामान समेट कर ऊंचे स्थानों या राहत शिविरों की ओर पलायन कर रहे हैं। 800 से अधिक परिवारों को खतरा है, जिनमें से कई ने पहले ही घर छोड़ दिए हैं। गंगा की तेज धारा और जलस्तर बढ़ने के कारण नाव संचालन बंद कर दिया गया है। दशाश्वमेध घाट की आरती अब ऊपरी मंच से हो रही है, जबकि घाट किनारे नावें जंजीरों से बांध दी गई हैं। जिला प्रशासन ने हालात को देखते हुए काशी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की 8 टीमें तैनात की हैं। कंट्रोल रूम 24 घंटे सक्रिय है। बाढ़ राहत केंद्रों की स्थापना की गई है, जहां सूखा राशन, दवा, शुद्ध पेयजल और मोबाइल हेल्थ यूनिट तैनात हैं। इसके अलावा जिलाधिकारी और नगर आयुक्त ने प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर राहत कार्य तेज करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि गंगा जलस्तर यदि ऐसे ही बढ़ता रहा तो तटीय गांवों में रिलीफ कैंप सक्रिय करने होंगे। बनारस के साथ-साथ गंगा की ऊपरी सहायक नदियों गंगोत्री, भागीरथी व यमुना के जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश जारी है। इससे गंगा में अगले दो दिनों में और बढ़ोतरी की संभावना है।

कछार के राजघाट, आदमपुर, रामनगर, डाफी, कोदई चौकी, खजुरी और नगवा में पानी घरों के अंदर तक घुस चुका है। कई घरों में पहली मंजिल तक पानी चढ़ गया है, लोग छतों और ऊपरी मंजिलों में फंसे हुए हैं। प्रशासन द्वारा नौकाओं से लोगों को बाहर निकाला जा रहा है। तो दूसरी तरफ घाटों पर प्रतिदिन होने वाली विश्वविख्यात गंगा आरती अब निचली सीढ़ियों के जलमग्न हो जाने के कारण ऊपरी मंच से की जा रही है। नाविकों की आजीविका ठप है और पर्यटक भी नावविहार से वंचित हैं।

जिला प्रशासन ने काशीवासियों और तीर्थयात्रियों से अपील की है कि वे घाटों की ओर न जाएं, अफवाहों पर ध्यान न दें और आपात स्थिति में कंट्रोल रूम से संपर्क करें। जिलाधिकारी सत्येन्द्र कुमार ने कहा, हमने संवेदनशील क्षेत्रों में नावें भेजी हैं और सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि संभावित विस्थापन क्षेत्र में कैंप सक्रिय रखें।

गंगा के तटीय गांवों में अब फसल संकट गहराने लगा है। रामचंद्रपुर से लेकर मोकलपुर तक, सोता के दोनों किनारों पर सब्जी की खेती जलमग्न होने लगी है। मोकलपुर, गोबराहा और मुस्तफाबाद जैसे गांवों में साग-सब्जी की खेती पर बाढ़ का सीधा असर दिख रहा है। कई किसानों ने फसल को बचाने के लिए रातों रात मेड़ें बांधनी शुरू कर दी हैं, लेकिन बाढ़ की रफ्तार तेज है।

गंगा के साथ-साथ वरुणा नदी का भी जलस्तर बढ़ रहा है। पुराना पुल भट्टा क्षेत्र में सुबह 9 बजे तक पानी लोगों के घरों में घुसने लगा था। वाराणसी नगर निगम और जिला प्रशासन की टीमें अलर्ट पर हैं। क्षेत्र में नावों की व्यवस्था कराई जा रही है ताकि जरूरतमंदों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जा सके।

नाबार्ड ने मनाया अपना 44वां स्थापना दिवस ग्रामीण परिवर्तन के प्रति दूरदर्शी पहलों के साथ

मुंबई। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने चेन्नै में एक भव्य कार्यक्रम के माध्यम से अपना 44वाँ स्थापना दिवस समारोह मनाया. यह आयोजन भारत के ग्रामीण विकास में नाबार्ड की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और संस्था की दूरदृष्टि के तहत आने वाले नए युग की शुरूआत को चिन्हित करता है। इस अवसर पर नीतिनिर्माता, राज्य सरकारों के अधिकारी, बैंकिंग क्षेत्र के प्रमुख और आधार स्तर पर काम करने वाले नवप्रवर्तक उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवाएँ विभाग के सचिव एम. नागराजु, तमिलनाडु सरकार के मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदम की विशेष गरिमामयी उपस्थिति के साथ नाबार्ड के अध्यक्ष शाजी के. वी., उप प्रबंध निदेशक जी. एस. रावत और उप प्रबंध निदेशक ए. के. सूद भी उपस्थित थे। इनके साथ इंडियन बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक के प्रबंध निदेशक, नाबार्ड के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रतिनिधि भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस वर्ष का मुख्य विषय था 'समावेशी विकास के लिए ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहन जिस पर एक विचारोत्तेजक चर्चा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर भारत के पारंपरिक हस्तशिल्प, कृषि उत्पादों और ग्रामीण नवोन्मेषों को दर्शाने वाली एक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें ग्रामीण भारत की गतिशील ऊर्जा और नवोन्मेषों की झलक देखने को मिली।

नाबार्ड के अध्यक्षशाजी के. वी. ने अपने संबोधन में कहा हमारा 44 वर्षों का यह सफर ग्रामीण परिवर्तन के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है। वित्तीय पहुँच से लेकर नवोन्मेष और अनुकूलता बढ़ाने तक, हमने लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। भारत जब समावेशी और संधारणीय विकास की ओर अग्रसर हो रहा है, इस यात्रा में नाबार्ड अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है।

किआ ने अपनी पहली मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक गाड़ी 'कैरेंस क्लैविस' ईवी लॉन्च की

मुंबई। किआ इंडिया, एक अग्रणी मास-प्रिमियम ऑटोमोबाइल निर्माता, ने आज अपनी पहली मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक गाड़ी, कैरेंस क्लैविस ईवी को लॉन्च किया। इसकी शुरुआती कीमत 17.99 लाख रुपये है। कैरेंस क्लैविस ईवी संभावित ईवी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें शानदार स्पेस, स्मार्ट तकनीक और लचीलेपन का अनूठा मिश्रण है, जो भी किफायती दाम में। चाहे परिवार या दोस्तों के साथ लंबी सड़क यात्रा हो, वीकेंड की छुट्टी हो, या रोज का शहरों के बीच का सफर, यह गाड़ी हर स्थिति को आसानी से संभाल लेती है। कैरेंस क्लैविस का समावेशी डिजाइन और बेहतरीन प्रदर्शन किआ के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के दृष्टिकोण को दिखाता है, जो सिर्फ कुछ लोगों के लिए नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के लिए है जो स्मार्ट, पर्यावरण-अनुकूल और व्यावहारिक ड्राइविंग अनुभव चाहते हैं। किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री ग्वांग्गु ली ने कहा, हम नई तकनीक, पर्यावरण की देखभाल और ग्राहकों की बदलती जरूरतों को समझकर इलेक्ट्रिक गाड़ियों के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने कई सालों में एक मजबूत वैश्विक ईवी पोर्टफोलियो बनाया है और अब हमें गर्व है कि हम उस विशेषज्ञता को भारत लेकर आ रहे हैं। कैरेंस क्लैविस ईवी इस सफर में हमारा अगला कदम है। यह तीन मुख्य चीजों पर आधारित है - हमारी विश्वसनीय वैश्विक ईवी तकनीक, उन्नत सुविधाएँ जो ड्राइविंग को आसान बनाती हैं, और हमारा खास आरवी दर्शन जो गति, लचीलापन और एकजुटता को दर्शाता है। भारत की पहली इलेक्ट्रिक आरवी, किआ कैरेंस क्लैविस ईवी, उस देश के लिए बनाई गई है जो महत्वाकांक्षा और एकता के साथ आगे बढ़ता है। भारत से प्रेरित, हमारा पहला मेड-इन-इंडिया इलेक्ट्रिक वाहन ई-वी की सोच को आगे ले जाता है और एक नया मार्ग प्रशस्त करता है।

कैरेंस क्लैविस ईवी एक विश्वसनीय और कुशल इलेक्ट्रिक पावरट्रेन द्वारा संचालित है, इसे बेहतरीन प्रदर्शन के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी बैटरी वैश्विक स्तर पर मानकीकृत और स्थानीय स्तर पर सत्यापित है, जो सुरक्षा, टिकाऊपन और भारतीय परिस्थितियों के अनुकूलता के उच्च मानकों को सुनिश्चित करती है। कैरेंस क्लैविस ईवी प्रीमियम, विशाल और आधुनिक टेक्नोलॉजी से लैस इंटीरियर के साथ आती है, जिसे ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए खासतौर पर डिजाइन किया गया है। कैरेंस क्लैविस ईवी अपने इनोवेटिव पैडल शिफ्टर्स के साथ रोजमर्रा की ड्राइविंग को खास बना देती है, जो इलेक्ट्रिक ड्राइविंग के अनुभव को और बेहतर बनाती है। ड्राइवर पैडल शिफ्टर्स की मदद से रीजनरेटिव ब्रेकिंग के चार स्तरों को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं, जिससे एनर्जी रिकवरी और डीसेलेरेशन को अपनी पसंद और सड़क की स्थिति के अनुसार सेट किया जा सकता है। कैरेंस क्लैविस ईवी का बोल्ड और आधुनिक डिजाइन किआ की ऑपोजिट्स यूनाइटेड फिलॉसफी से प्रेरित है। इसके प्रमुख आकर्षणों में किआ का डिजिटल टाइगर फेस, स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड डीआरएल (जिसमें टर्न सिग्नल भी शामिल हैं), आइस क्यूब एमएफआर एलईडी हेडलैंप, स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड टेल लैंप, 43.18 सेमी क्रिस्टल-कट ड्यूल-टोन एयरो अलॉय व्हील्स और 200 मिमी ग्राउंड क्लीयरेंस शामिल हैं।

डॉ. शशिकला पटेल का सामाजिक संगठनों द्वारा सम्मान

मुंबई। आर. आर. एजुकेशनल ट्रस्ट, बी. एड. कॉलेज की सहायक प्रोफेसर श्रीमती शशिकला पटेल को मुंबई विश्व विद्यालय द्वारा डॉक्टरेट (पीएच डी) उपाधि प्रदान किये जाने पर मुलुंड की सामाजिक संगठनों द्वारा केशवपाड़ा, मुलुंड प. पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डॉ.शशिकला पटेल ने समावेशी शिक्षा (inclusive education) विषय पर अपना शोध प्रबंध प्रो.डॉ.प्रशांत काले (गोखले एजुकेशनल रिसर्च सेंटर, परेल) के कुशल मार्गदर्शन में पूर्ण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. बाबूलाल सिंह,बीरेंद्र पाठक (महासचिव उत्तर भारतीय मित्र मंडल), डॉ. सचिन सिंह (अध्यक्ष युवा ब्रिगेड असोसिएशन), डॉ.आर.एम.पाल (महासचिव उत्तर भारतीय संघ मुलुंड), चन्द्रवीर यादव (महासचिव अ. भा. यादव महासभा मुंबई), कवि, साहित्यकार विनय शर्मा 'दीप ',हराया हरीश (पूर्व प्रधानाचार्य) एड. शरीफ खान (अध्यक्ष समता हॉकर्स यूनियन), डॉ. अमर बहादुर पटेल (अध्यक्ष निर्मला फाउंडेशन), शिक्षाविद डॉ. रवि राजभर, श्रीमती जयबाला सिंह, राकेश मिश्रा,समाजसेवी विजय यादव,मैथ्यु चेरियन, एन. के. सिंह सहित कई गणमान्य लोगों ने शाल, पुष्पगुच्छ एवं भेंट वस्तु प्रदान कर डॉ. शशिकला पटेल का सम्मान किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ.शशिकला पटेल ने कहा कि अच्छी एवं समवेशी शिक्षा हेतु वे सदैव कार्य करती रहेंगी। उन्होंने अपने गाइड एवं शोध कार्य में सहयोग प्रदान करने वाले सभी शिक्षकों, सहयोगियों,संगठनों का आभार व्यक्त किया।

श्रीमद्भागवत कथा का पांचवे दिन: संसार में कोई भी वस्तु भगवान से अलग नहीं : आचार्य पं. राघवेंद्र शास्त्री

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर के पूर्व विधायक बाबा दुबे के आवास बाबा कुंज में आयोजित सप्त दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन मंगलवार की शाम कथा व्यास आचार्य पं. राघवेंद्र शास्त्री ने श्रीमद भागवत कथा के दौरान भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा सुनाई। जिसे सुनकर सभी श्रोता भक्ति में लीन हो गए,जिसमें उन्होंने श्री कृष्ण से संस्कार की सीख लेने की बात कही। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण स्वयं जानते थे कि वह परमात्मा हैं। उसके बाद भी वह अपने माता पिता के चरणों को प्रणाम करने में कभी संकोच नहीं करते थे।श्रीमद् भागवत कथा के माध्यम से भागवत व्यास प्रेम नारायण जी ने पहले धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष की महत्ता पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि जब-जब धरा पर अत्याचार, दुराचार, पापाचार बढ़ा है, तब-तब प्रभु का अवतार हुआ है प्रभु का अवतार अत्याचार को समाप्त करने और धर्म की स्थापना के लिए होता है। जब धरा पर मथुरा के राजा कंस के अत्याचार अत्यधिक बढ़ गए, तब धरती की करुण पुकार सुनकर श्री हरि विष्णु ने देवकी माता के अष्टम पुत्र के रूप में भगवान श्री कृष्ण ने जन्म लिया। इसी प्रकार त्रेता युग में लंकापति रावण के अत्याचारों से जब धरा डोलने लगी तब मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने जन्म लिया। ऐसे तमाम प्रसंग श्रोताओं को सुनाए, जिसे सुनकर उपस्थित श्रोता भक्ति भाव में तल्लीन हो गए। गोपियों के घर से केवल माखन चुराया अर्थात सार तत्व को ग्रहण किया और असार को छोड़ दिया प्रभु हमें समझाना चाहते हैं कि सृष्टि का सार तत्व परमात्मा है। इसलिए असार यानी संसार के नश्वर भोग पदार्थों की प्राप्ति में अपने समय, साधन और सामर्थ को अपव्यय करने की जगह हमें अपने अंदर स्थित परमात्मा को प्राप्त करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इसी से जीवन का कल्याण संभव है। भागवत कथा के दौरान मुख्य यजमान बदलापुर के प्रथम विधायक ओमप्रकाश 'बाबा दुबे', जौनपुर लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी व पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, भाजपा प्रवक्ता उत्तर प्रदेश ओमप्रकाश सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्याम राज सिंह ,प्रेम प्रकाश दुबे,पूर्व राज्य मंत्री अरुण दुबे, अखिल मिश्र ,सभाजीत तिवारी, डॉ. अशोक मिश्र, नीरज शुक्ला, उमा पाण्डेय, रमेश मिश्र , पुनीत तिवारी, हिमांशु मिश्र वागीश तिवारी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

सावन के पहले सोमवार पर माँ शारदा शक्तिपीठ मैहर मंदिर में नर्मदेश्वर महादेव का अभिषेक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के प्रांगण में स्थित माँ शारदा शक्तिपीठ मैहर मंदिर में सावन माह के प्रथम सोमवार को श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन नर्मदेश्वर महादेव की शिवलिंग पर भक्तों ने जल एवं दूध से अभिषेक कर पुण्य लाभ अर्जित किया। प्रातः काल जैसे ही मंदिर के पट खुले, वैसे ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। भक्तों ने 'बोल बम' और 'हर हर महादेव' के जयकारों के साथ शिव अभिषेक किया। पूरे वातावरण में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। मंदिर के पुजारियों के अनुसार, यह स्थान शिव और शक्ति की उपासना का अत्यंत पावन केंद्र है। यहाँ माँ शारदा के साथ-साथ अनेक देवी-देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं, जिससे यह मंदिर साधना, कल्याण और मोक्ष की प्राप्ति का प्रमुख स्थल माना जाता है। श्रद्धालुजन भगवान भोलेनाथ को दूध, जल तथा रुद्राभिषेक अर्पित कर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति की कामना करते हैं। मान्यता है कि सच्चे मन से की गई पूजा से महादेव प्रसन्न होकर समस्त कष्टों का निवारण करते हैं। मंदिर प्रशासन द्वारा भक्तों की सुविधा हेतु विशेष व्यवस्था की गई थी। सुरक्षा एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था के बीच श्रद्धालु शांतिपूर्वक दर्शन व पूजन करते रहे।

ओडिसी इलेक्ट्रिक के साथ बरसात में भी सुरक्षित और हरियाली भरा सफर

मुंबई। जैसे ही देश के कई शहरों में बारिश शुरू होती है, रोजमर्रा का सफर लोगों के लिए एक बड़ी परेशानी बन जाता है। सड़कों पर पानी भर जाता है, बसें और ट्रेनें लेट हो जाती हैं, और ट्रैफिक जाम आम बात हो जाती है। लेकिन इन मुसीबतों के बीच अब एक नया और आसान हल सामने आ रहा है झ इलेक्ट्रिक स्कूटर। ये अब केवल इको-फ्रेंडली विकल्प नहीं रह गए, बल्कि मानसून में भी भरोसेमंद साथी बनते जा रहे हैं। चाहे हल्की फुहार हो या पानी से भरी सड़कें, ये सफर को आसान और टिकाऊ बना रहे हैं।

इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की इस बदलाव भरी दुनिया में ओडिसी इलेक्ट्रिक सबसे आगे है, जो भारत में इस क्षेत्र का एक भरोसेमंद नाम बन चुका है। परफॉर्मेंस, सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने ऐसे स्कूटर तैयार किए हैं, जो भारतीय मानसून की चुनौतियों का आत्मविश्वास से सामना कर सकें। ओडिसी स्कूटर में IP67 रेटिंग वाले वॉटरप्रूफ मोटर और बैटरी दी गई हैं, जो बारिश और पानी के छींटों से बेहतरीन सुरक्षा देती हैं। इससे जरूरी पार्ट्स पानी में भी सुरक्षित रहते हैं झ चाहे आपको पानी भरी सड़कों से गुजरना हो या अचानक तेज बारिश हो जाए। ओडिसी के स्कूटर हर मौसम के लिए तैयार रहते हैं और लंबे समय तक साथ निभाते हैं। ओडिसी के बेहतरीन मॉडलों में हाल ही में लॉन्च किया गया ह्यरठअढह्न स्कूटर भी शामिल है, जो शानदार वॉटरप्रूफिंग के साथ अब सन मोबिलिटी की साझेदारी से बैटरी स्वैपिंग टेक्नोलॉजी से भी लैस है। इससे यूजर कुछ ही मिनटों में बैटरी बदल सकते हैं झ न चार्जिंग स्टेशन की चिंता, न बारिश में रुकने की परेशानी। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जिन्हें हर मौसम में स्कूटर की जरूरत होती है। ओडिसी के स्कूटर भारतीय सड़कों को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। इनकी बॉडी मजबूत है, वायरिंग पूरी तरह सील है और जंग लगने से बचाने वाले मटेरियल का इस्तेमाल किया गया है। ट्यूबलेस टायर्स में खास ग्रिप है, जिससे गीली सड़कों पर फिसलने का खतरा कम होता है। साथ ही, इन स्कूटरों में रीजेनेरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम दिया गया है, जिससे ब्रेकिंग स्मूद होती है और बैटरी की एनर्जी भी बचती है। मानसून आते ही इलेक्ट्रिक वाहनों को लेकर कई तरह की गलतफहमियां सामने आने लगती हैं – जैसे कि बारिश में स्कूटर चलाने से सिस्टम खराब हो सकता है, इलेक्ट्रिक पार्ट्स को नुकसान होगा या गीली सड़कों पर फिसलन ज्यादा होगी। ओडिसी इलेक्ट्रिक इन सभी भ्रमों को दूर करने में लगातार जुटा है। सील्ड इलेक्ट्रॉनिक्स, वॉटर-रेजिस्टेंट डिजाइन और मजबूत परफॉर्मेंस के दम पर ओडिसी यह साबित कर रहा है कि इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर हर मौसम में सुरक्षित और भरोसेमंद हो सकते हैं। बारिश के मौसम में सफर को और भी सुरक्षित बनाने के लिए ओडिसी कुछ आसान सुझाव भी देता है – जैसे गहरे पानी से बचें, स्कूटर को सूखी और ढकी हुई जगह पर खड़ा करें और वहीं चार्ज करें।

सेना के अपमान मामले में राहुल गांधी ने किया सरेंडर, फिर मिली जमानत

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। सेना के अपमान मामले में राहुल गांधी ने किया सरेंडर एक घंटे तक कोर्ट में रहे। फिर मिली जमानत कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को लखनऊ स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट में सरेंडर किया। यह सरेंडर भारतीय सेना पर कथित तौर पर की गई मानहानिकारक टिप्पणी के संबंध में दायर एक मानहानि केस के तहत किया गया। कोर्ट में सरेंडर के तुरंत बाद राहुल गांधी के वकील ने जमानत याचिका दायर की, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया और उन्हें जमानत दे दी गई।

टीसी और मार्कशीट के लिए 250 रुपया की अवैध वसूली: वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शिक्षा व्यवस्था को शर्मसार करने वाला एक मामला जौनपुर से सामने आया है। जौनपुर के मुंगराबादशाहपुर में एक इंटर कालेज ट्रांसफर सर्टिफिकेट (टीसी) के नाम पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया में वायरल वीडियो में छात्रों से टीसी के लिए 250 रुपए की अवैध वसूली की छात्रों से टीसी से मार्कशीट के लिए 952 रुपया मांगा जा रहा है, जबकि रसीद 702 की दी गयी हैं। इस प्रकरण ने अभिभावकों में भी आक्रोश पैदा कर दिया है। कई स्थानीय अभिभावकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि यह इंटर कालेज लंबे समय से छात्रों और अभिभावकों से विभिन्न मदों में अवैध वसूली कर रहा है। आरोपों के अनुसार,इस इंटर कालेज द्वारा खेलकूद शुल्क, मार्कशीट शुल्क, लेट फीस जुमार्ना और परीक्षा शुल्क। अभिभावकों ने बताया कि यदि कोई छात्र दो-तीन दिन स्कूल नहीं आता, तो उस पर भी जुमार्ना लगाया जाता है। यहां तक कि कभी-कभी बच्चों को समय पर फीस न देने पर मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जाता है और लेट पेमेंट शुल्क जमा कराया जाता है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या शिक्षा विभाग को इस प्रकार की वसूली की जानकारी नहीं थी? यदि थी तो अब तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई? स्थानीय लोगों का कहना है कि यह कोईपहली बार नहीं है जब कि इस कालेज के प्रबंधक कमेटी पर अवैध वसूली के आरोप कई बार लगे हों, लेकिन हर बार मामला दबा दिया जाता है।

स्नेहा दुबे पंडित ने बिल्डरों द्वारा मकान मालिकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी का मुद्दा उठाया

वसई। वसई विधायक संघर्षकन्या स्नेहा दुबे पंडित ने वसई-विरार शहर में बिल्डरों द्वारा मकान मालिकों के साथ की जा रही धोखाधड़ी और पानी की गंभीर समस्या के संबंध में विधानसभा में एक आकर्षक सुझाव प्रस्तुत किया। नायगांव में 90% इमारतों को आज तक अधिभोग प्रमाण पत्र नहीं मिला है, क्योंकि बिल्डर काम बीच में ही छोड़कर भाग गए हैं। इससे नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित होना पड़ रहा है। वसई विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने पुरजोर मांग की कि। ऐसी गड़बड़ियाँ करने वाले बिल्डरों की 'काली सूची' तैयार की जाए। यह सूची वसई-विरार सहित सभी नगर निगमों को वितरित की जानी चाहिए। बिना ओसी वाले प्रोजेक्ट के बिल्डरों को नए परमिट न दिए जाएँ। सर्वोच्च न्यायालय के 18 दिसंबर, 2024 के निर्णय के अनुसार, बिना सीसी और ओसी के पानी के कनेक्शन नहीं दिए जा सकते, लेकिन अस्थायी रूप से पानी के कनेक्शन देने की बात कही।

सावन के सोमवार को लगाया सत्पत्री का पेड़

चिराना। सावन के पहले सोमवार को डॉ राजेंद्र कुमावत ने अपने निज फार्म हाउस में सत्पत्री का छाया देने वाला पेड़ लगाया और हरियालो राजस्थान की मुहिम को आगे बढ़ाया।इस से पहले भी यहां उन्होंने कई फलदार एवं फूलों वाले पौधे लगाकर हरितमा की फिजा को मूर्त रूप दिया है।उन्होंने कहा की यही मौसम पेड़ पौधों के लिए उपयोगी होता है और इस बारिश ऋतु में फल फूल वाले पेड़ पौधे पनप जाते हैं,धरा को यदि बचाना है तो निश्चित ही हरेक को एक पेड़ मां के नाम की मुहिम में शामिल होकर लगाना चाहिए।सब जानते हैं,पेड़ हमें शीतल छाया देता है और खुशियां देने का अंदाज इसका निराला है।जमीं को यदि बचाना है तो पौधा जरूर लगाना है और यही जीवन का मूलमंत्र है,ये मूलमंत्र जानकर एक मनुष्य को एक पेड़ लगाने का संकल्प जरूर लेना चाहिए और पौधारोपण कर अपनी धरती मां का अनमोल श्रृंगार करना है,पेड़ की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है,पेड़ लगाना हमारे संस्कार में रहा है व पेड़ लगा कर धरा को बचाना है,पर्यावरण की सुरक्षा का प्रथम आयाम यही है। लिहाजा सबका लक्ष्य पेड़ लगाने से ही पूरा होगा अगर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई होती रही और लगाने की मुहिम कमजोर पड़ गई तो सच माननीय एक दिन सांस लेना भी इस जीवन में मुश्किल हो जाएगा।

वसई विरार नगर निगम क्षेत्र में एक इंच भी अवैध निर्माण स्वीकार्य नहीं: राजन नाईक

वसई/विरार। वसई-विरार में अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण नियंत्रण पर विधानसभा में नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजन नाईक ने विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान वसई-विरार शहर में अनधिकृत निर्माण के गंभीर मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया। वसई-विरार नगर निगम की जानकारी के अनुसार, कुल 10 लाख संपत्तियों में से लगभग 5 लाख संपत्तियाँ अनधिकृत हैं, जिन पर जुर्माना/दंड के साथ मकान किराया भी लगाया जाता है। एमआरटीपी अधिनियम की धारा 53 से 56 के तहत कार्रवाई न होने के कारण ये निर्माण बढ़ रहे हैं। इसके अलावा, 329 नियोजित आरक्षित भूमि पर अतिक्रमण हो चुका है और 872 में से केवल 56 आरक्षित भूखंड ही नगर निगम के कब्जे में हैं, जिनमें से 24 भूखंडों पर अतिक्रमण हो चुका है, उन्होंने सदन में बताया।

विधायक राजन नाइक ने कहा कि सरकार इन अनियमितताओं को रोकने के लिए कानून में संशोधन कर रही है, लेकिन इस पर अमल नहीं हो रहा है। नाला सोपरा में 41 इमारतों का उदाहरण देते हुए उन्होंने यह भी बताया कि कैसे अधिकारियों, भूस्वामियों और डेवलपर्स के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय केवल आम जनता को परेशान किया जा रहा है। धारा 56(ए) के तहत दोषी अधिकारियों के खिलाफ 3 महीने की कैद या 20,000 रुपये के जुमार्ने का प्रावधान होने के बावजूद, इस नगर निगम क्षेत्र में आज तक इसका उपयोग नहीं किया गया है। तो क्या ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी? विधायक राजन नाइक ने विधानसभा में ऐसे ही सवाल उठाए हैं। इस अवसर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शहरी विकास राज्य मंत्री ने कहा कि माननीय राज्य मंत्री ने आश्वासन दिया है कि दोषी अधिकारियों के साथ-साथ नए शुरू किए गए अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा भव्य 9वां एजुकेशन अवॉर्ड्स फॉर एक्सीलेंस का आयोजन

मीरा रोड। बालिकाओं की शिक्षा, सशक्तिकरण और समाज में उनके उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित करने हेतु बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक ऐतिहासिक और भव्य आयोजन किया गया – 9 वां वार्षिक एजुकेशन अवॉर्ड्स फॉर एक्सीलेंस, जो विशेष रूप से उन बालिकाओं को समर्पित था जिन्होंने 2024-2025 की एसएससी व एचएससी परीक्षाओं में 80% से अधिक अंक प्राप्त किए। यह आयोजन शहनाई बैंक्वेट हॉल, जानगिड आर्केडिया, मीरा रोड (पूर्व) में 13 जुलाई को आयोजित किया गया, जहां 250 से अधिक प्रतिभाशाली बेटियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी, मेडल और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। यह न केवल एक शैक्षणिक उपलब्धि का उत्सव था, बल्कि बेटियों के आत्मविश्वास, संघर्ष और संकल्प को सलाम करने का भी अवसर था।

अपने भाषण में उन्होंने कहाः हर सफल बेटी के पीछे एक समाज होता है जो उस पर विश्वास करता है। आज हम वही समाज हैं। ये पुरस्कार सिर्फ अंकों के लिए नहीं हैं, बल्कि साहस, अनुशासन और न रुकने वाली इच्छाशक्ति के लिए हैं। उनकी यह सोच समाज को यह संदेश देती है कि जब बेटियों को पढ़ाया, सराहा और बढ़ाया जाता है, तभी समाज आगे बढ़ता है। इस समारोह का मुख्य आकर्षण था 250 से अधिक छात्राओं का सम्मान, जिन्होंने एसएससी और एचएससी बोर्ड परीक्षाओं में 80% से अधिक अंक प्राप्त किए। इनमें कई ऐसी बेटियां थीं, जो सीमित संसाधनों में भी अपने सपनों को पंख देने में सफल रहीं। हर सम्मान पत्र, ट्रॉफी और मेडल केवल पुरस्कार नहीं, बल्कि उनके आत्मबल और कड़ी मेहनत की गवाही थे। इस अवसर पर कई प्रतिष्ठित अतिथि और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे, जिनमें शामिल थे। नरेंद्र मेहता विधायक, दै. मुंबई हलचल समाचार पत्र के संपादक दिलशाद एस. खान, राहुल कुमार पाटिल वरिष्ठ निरीक्षक, काशीगांव पुलिस स्टेशन, संतोष संधविकर पुलिस निरीक्षक, कंकिया पुलिस स्टेशन (संपूर्ण टीम सहित), संदीप राणे मनसे नेता, राधेश्याम तिवारी संस्थापक अध्यक्ष, भारतीय साध विचार मंच, पुजा वर्मा, रूपल सिंह, आशीष लोधा आदि। इन सभी अतिथियों ने अपने प्रेरणादायक शब्दों के माध्यम से छात्राओं को प्रोत्साहित किया और समाज को यह संदेश दिया कि बेटियों की शिक्षा ही सशक्त भारत का आधार है।

उज्जवल निकम को राज्यसभा सांसद बनाए जाने पर डॉ अनील काशी मुरारका ने दी बधाई

मुंबई। देश के जाने-माने वकील एवं उत्तर मध्य मुंबई के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी उज्जवल निकम को राज्यसभा सांसद बनाए जाने पर शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर एम्प्पल मिशन संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा समाजसेवी डॉ अनील काशी मुरारका ने भगवान संकटमोचन हनुमान जी की तस्वीर भेंटकर व शॉल ओढ़ाकर उज्जवल निकम को सम्मानित किया और बधाई दी। इस मौके पर डॉ अनील काशी मुरारका ने पत्रकारों से कहा कि इस देश को आज संसद के भीतर ऐसे ही योग्य लोगों की जरूरत है। उज्जवल निकम देश के प्रतिष्ठित वकीलों में से एक हैं। उन्हें इस देश को सही दिशा और सही पटरी पर लाने की संपूर्ण जानकारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें राज्यसभा में भेजकर जो जिम्मेदारी दी है, वह सराहनीय है। हम इसके लिए भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी तथा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दोनों के प्रति आभार व्यक्त करते हैं और श्री निकम को दिल से बधाई देते हैं।

एम टी अग्रवाल हॉस्पिटल, मुलुंड का मुद्दा विधानसभा में गुंजा

मुंबई। मुलुंड प. स्थित मुंबई मनपा का एम. टी. अग्रवाल हॉस्पिटल का मुद्दा महाराष्ट्र विधानसभा में गुंजा। समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसीम आजमी ने विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान आकर्षित करते हुए सवाल किया कि बी एम सी द्वारा 1100 करोड़ से भी ज्यादा खर्च कर बनाया गया अग्रवाल हॉस्पिटल 2वर्षो से बन कर तैयार है। फिर भी जनता के लिये नहीं खोला जा रहा है। उसे जल्द से जल्द खोला जाय। अबू असीम आजमी ने कहा कि युवा ब्रिगेड असोसिएशन और कई उत्तर भारतीय संगठन मांग कर रहे है कि यह हॉस्पिटल किसी प्राइवेट पार्टी/एन जी ओ को न दिया जाय। इसे तत्काल बी एम सी द्वारा उद्घाटन कर चलाया जाये।